सुविचार

मनुष्य अपने जन्म से नहीं बल्कि अपने कर्म से महान बनता है।

चाणक्य

दैनिक

रेवांचल टाइम्स

निष्पक्ष, निर्भीक एवं सत्य का प्रवर्तक

Revanchal Times
7509202320
@revanchal_times
revanchaljabalpur@gmail.com
revanchaltimes_

वर्ष 3 | अंक 253 | जबलपुर, सोमवार 07 सितम्बर 2026 | पृष्ठ 8 | मूल्य, 01 रुपये | RNI. Reg. No MPHIN/2023/90965

जहरीली शराब से 2 दिन में 11 मौतें:जहर इतना कि 24 लोगों के शरीर नीले पड़े, 25 पर FIR

इनकी मौत हुई

नाम	पता	उम्र
गोलू उर्फ चमन लोधी, पिता साहब सिंह	ग्राम गूगरा खुर्द	45
दिग्विजय, पिता देवेंद्र लोधी	ग्राम नौराज	28
करतार सिंह, पिता जोधन लोधी	ग्राम नौराज	30
उजयार सिंह, पिता विजय सिंह लोधी	ग्राम गूगरा खुर्द	56
रोशन लोधी, पिता जगन्नाथ	ग्राम पाटन, थाना विनायका	30
राजेंद्र, पिता मूरत लोधी	ग्राम नौराज, गूगरा	32
हरनाम, पिता घनश्याम राय	ग्राम चौका	42
उत्तम नत्थू नायक	ग्राम दलपतपुर	42
सुमेर सिंह दांगी, पिता पूरन	ग्राम बमूरा	47
राजकुमार लोधी, पिता नन्नई लोधी	ग्राम बमूरा	47
सुरेंद्र अहिरवार, पिता शुखलाल	ग्राम लिधौरा	35

सागर। मध्य प्रदेश के सागर में जहरीली शराब पीने से अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें 3 की मौत शनिवार देर रात हुई। फिलहाल 25 मरीज अस्पतालों में भर्ती हैं। इनमें 17 सागर जिला अस्पताल, 7 बंडा सिविल अस्पताल और 1 मरीज एम्स भोपाल में भर्ती है, जिसे एयरलिफ्ट कर ले जाया गया। कई मरीजों के शरीर नीले पड़ गए हैं। मामले में करीब 25 लोगों पर FIR दर्ज की गई है। बंडा थाने में 20 लोगों के खिलाफ केस दर्ज हुआ है, जबकि विनायक थाने में 5 से अधिक लोगों के खिलाफ FIR की जा रही है। लापरवाही पर आबकारी-पुलिस विभाग के 5 अधिकारी सस्पेंड किए गए हैं। इनमें सहायक आबकारी आयुक्त कीर्ति दुबे, जिला आबकारी अधिकारी दिलीप खंडाते, बंडा के आबकारी उप निरीक्षक रोशनी उरेते, गूगरा चौकी प्रभारी अरकपूरन सिंह और बंडा थाना प्रभारी राजेंद्र कुशवाहा शामिल हैं। संभागीय फ्लाइंग स्क्वाड प्रभारी नीरज श्रीवास्तव को ग्वालियर मुख्यालय अटैच किया गया है।

नौराज और गूगरा खुर्द पहुंचे कमिश्नर-आईजी

मौतों के बाद सागर कमिश्नर, आईजी, कलेक्टर और एसपी ग्राम नौराज और गूगरा खुर्द पहुंचे। अधिकारियों ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात की और अस्पताल में भर्ती मरीजों के इलाज की व्यवस्था का जायजा लिया। एहतियातन क्षेत्र की 7 शराब दुकानों को सील किया गया है। इनमें बरेठी, बंडा, शाहगढ़, मगरधा, विनायका, दलपतपुर और बरायठा की दुकानें शामिल हैं।अधिकारी दुकानों से सैंपल लेकर जांच के लिए भेज रहे हैं।

जहरीली शराब का नेटवर्क तलाशा जा रहा

कलेक्टर प्रतिभा पाल ने बताया कि मामला नौरोजा और घुघरा खुर्द गांव का है। शनिवार सुबह करीब 4:30 बजे जहरीली शराब पीने से लोगों के बीमार होने की सूचना मिली। इसके बाद प्रभावित गांवों में मेडिकल टीमों ने स्क्रीनिंग शुरू की। लक्षण मिलने पर उन्हें बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज (BMC) भेजा जा रहा है। करीब 35 लोगों को अस्पताल लाया गया है। इनमें कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। गंभीर मरीजों को इटउ और सागर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रशासन ने इटउ में संदिग्ध मरीजों के लिए अलग बेड की व्यवस्था की है।

पोस्टमॉर्टम में मिथाइल अल्कोहल का शक

कलेक्टर प्रतिभा पाल के मुताबिक, 2-3 शवों के पोस्टमॉर्टम में मिथाइल अल्कोहल के सेवन की आशंका सामने आई है। कुछ मरीजों के शरीर नीले पड़ गए हैं। उनमें अकड़न भी महसूस हुई है। उल्टी, सिरदर्द या बुखार जैसे लक्षण दिखने पर वे तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर जांच कराने की अपील की जा रही है।

UP के ललितपुर से शराब सप्लाई का शक

एसपी अनुराग सुजानिया ने बताया- शुरूआती जांच में शराब की सप्लाई उत्तर प्रदेश के ललितपुर से होने की बात सामने आई है। कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस ललितपुर में भी इस नेटवर्क से जुड़े लोगों की जानकारी जुटा रही है। एहतियात के तौर पर इलाके की 6 शराब दुकानों को सील कर दिया गया है। इनके सैंपल भी लिए जा रहे हैं। अवैध शराब के कारोबार से जुड़े लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। सागर संभाग के कमिश्नर, आईजी और कलेक्टर-SP समेत कई अधिकारियों ने मृतकों के परिवारों से मुलाकात की।

रिश्तेदार ने बताया- आधे घंटे में मौत

बम्हुराबेड़ा निवासी रामकुमार दांगी ने बताया- उनके चचेरे भाई समेत गांव में 4 लोगों की मौत हुई है। एक व्यक्ति की पहले दिन और तीन की दूसरे दिन मौत हुई। रामकुमार का दावा है कि तीन लोगों ने साथ में शराब पी थी। इसके बाद उनके शरीर अचानक ठंडे पड़ने लगे और करीब आधे घंटे में उनकी मौत हो गई।

CM बोले- दोषियों को बख्शेंगे नहीं

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दुबई रवाना होने से पहले कहा कि उन्होंने प्रभारी मंत्री और अधिकारियों को घटना की तत्काल जांच के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार ऐसे मामलों को बर्दाश्त नहीं करेगी। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जीतू पटवारी बोले- शराब माफिया बेखौफ क्यों हैं? कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने पर पोस्ट कर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पहले भी सागर में जहरीली शराब के कारोबार को कथित सरकारी संरक्षण मिलने का मुद्दा उठा चुकी है। जहरीली शराब का कारोबार किसके संरक्षण में चल रहा है। शराब माफिया बेखौफ क्यों हैं।

उमंग सिंघार बोले- अवैध शराब के कारोबार से मौतें

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सागर मेडिकल कॉलेज में पीड़ितों और उनके परिजन से मुलाकात की। मरीजों के स्वास्थ्य की जानकारी ली।सिंघार ने कहा कि मरीजों के शरीर नीले पड़ने और कम समय में मौत होने की बात भयावह है। उन्होंने इसे अवैध शराब के कारोबार और प्रशासनिक लापरवाही का गंभीर मामला बताया। वहीं, राज्यसभा सांसद विवेक तंखा ने कहा- सरकारी व्यवस्था फेल हुई है। अस्पताल में भर्ती गंभीर मरीजों का बेहतर इलाज कर उनकी जान बचाने की हरसंभव कोशिश करने की मांग की।

पूर्व विधायक ने मांगा 1 करोड़ मुआवजा

वहीं, बंडा के पूर्व कांग्रेस विधायक तरवर सिंह लोधी ने कहा- जिम्मेदार लोगों पर हत्या का केस दर्ज हो। मृतक के परिवार को 1 करोड़ रुपए मुआवजा देने की मांग की है। उनका दावा है कि पिछले 3-4 दिनों में हजारों लोगों ने यह शराब पी है।

स्वच्छता के बाद स्वच्छ-हवा में भी इंदौर ने मारी बाजी

इंदौर। स्वच्छता के बाद अब स्वच्छ वायु के मामले में भी इंदौर ने देशभर में अपनी पहचान कायम रखी है। स्वच्छ वायु सर्वेक्षण-2026 के परिणामों में इंदौर को देश के टॉप-3 शहरों में जगह मिली है। हालांकि आधिकारिक रैंकिंग की घोषणा 7 सितंबर को नई दिल्ली में होगी। सूत्रों के मुताबिक, इंदौर ने सर्वेक्षण में दूसरा स्थान हासिल किया है। नई दिल्ली स्थित इंदिरा पर्यावरण भवन के गंगा ऑडिटोरियम में होने वाले स्वच्छ वायु दिवस समारोह में इंदौर को राष्ट्रीय स्वच्छ वायु सराहना पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए महापौर और निगमायुक्त को आमंत्रित किया गया है। निगम अधिकारियों तक भी पुरस्कार संबंधी जानकारी पहुंच चुकी है। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव परिणामों की औपचारिक घोषणा करेंगे।

धूल से लेकर ई-वाहनों तक... इन प्रयासों का मिला फायदा- नगर निगम के मुताबिक, शहर में वायु प्रदूषण कम करने के लिए कई स्तरों पर काम किया गया। इनमें सड़क की सफाई से लेकर निर्माण मलबे के वैज्ञानिक निपटान और सार्वजनिक परिवहन में ई-वाहनों को बढ़ावा देने जैसे प्रयास शामिल हैं। सड़कों की सफाई: धूल नियंत्रण के लिए स्वीपिंग मशीनों का इस्तेमाल बढ़ाया गया। ग्रीन बेल्ट: शहर में हरियाली बढ़ाने के लिए ग्रीन बेल्ट विकसित किए गए। मलबे का वैज्ञानिक निपटान: निर्माण और तोड़फोड़ से निकलने वाले मलबे का वैज्ञानिक तरीके से निपटान। रीसाइकिल-रीयूज: निर्माण मलबे के अधिकतम हिस्से को दोबारा उपयोग और रीसाइकिल करने के प्रयास किए गए। ई-वाहनों को बढ़ावा: सार्वजनिक परिवहन में इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या बढ़ाने की दिशा में काम किया गया। इंदौर के दूसरे स्थान पर रहने की जानकारी फिलहाल सूत्रों के हवाले से सामने आई है। 7 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले समारोह में आधिकारिक परिणाम जारी होने के बाद ही अंतिम रैंकिंग स्पष्ट होगी।

सागर में फर्जी नायब तहसीलदार गिरफ्तार:आई-कार्ड-सील और कूटरचित दस्तावेज बरामद

सागर। सिविल लाइन पुलिस ने फर्जी नायब तहसीलदार बनकर लोगों को झांसा देने वाले आरोपी शिवम चतुर्वेदी निवासी गढ़ाकोटा को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से सीहोरा, जिला जबलपुर के अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं दंडाधिकारी कार्यालय का नायब तहसीलदार पद का फर्जी आई-कार्ड, सील और कूटरचित दस्तावेज बरामद किए हैं। पुलिस आरोपी के फरार साथी अमित की तलाश कर रही है।

बस में हुई मुलाकात, खुद को बताया नायब तहसीलदार

एफआईआर के अनुसार, आरोपी शिवम की मुलाकात प्रबल सिंह ठाकुर निवासी तिली के पिता से भोपाल से सागर आते समय बस में हुई थी। शिवम ने अपना नाम शिवम तिवारी बताया और कहा कि उसने इनकम टैक्स ऑफिसर की नौकरी छोड़कर सीहोरा में नायब तहसीलदार की नौकरी जॉइन की है। इसके बाद उसने शासकीय काम के लिए गाड़ी की जरूरत बताकर फरियादी को झांसे में लिया।

5 साल के लिए 1.05 लाख रुपए महीने में ली बोलेरो

आरोपी की बातों में आकर फरियादी ने 17 अगस्त 2026 को नई बोलेरो खरीदी। गाड़ी नंबर MP 15 ZS 9934 को पांच साल के लिए हर महीने 1.05 लाख रुपए देने के फर्जी एग्रीमेंट पर आरोपी को सौंप दिया गया। आरोपी बोलेरो पर हूटर और नायब तहसीलदार की नेमप्लेट लगाकर घूम रहा था। बाद में फरियादी को उसके बयानों पर संदेह हुआ। 4 सितंबर को उसने आरोपी से वरिष्ठ अधिकारियों से बात कराने और मूल दस्तावेज दिखाने को कहा।

फर्जी आई-कार्ड सामने आया तो गाड़ी छोड़कर भागा

आरोपी अपने साथी अमित के साथ पहुंचा। कड़ाई से पूछताछ करने पर जब उससे दस्तावेज मांगे गए तो फर्जी आई-कार्ड सामने आ गया। इसके बाद आरोपी फोन पर बात करने का बहाना बनाकर मौके से भाग निकला और बोलेरो वहीं छोड़ गया। शिकायत के बाद सिविल लाइन पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस उसके साथी अमित की तलाश कर रही है। मामले का जल्द खुलासा किए जाने की बात कही गई है।

पहले भी ठगी के मामले में पकड़ा जा चुका है आरोपी

पुलिस के अनुसार, आरोपी शिवम पहले भी इसी तरह की वारदातों में पकड़ा जा चुका है। करीब एक साल पहले ग्वालियर क्राइम ब्रांच ने सागर के चार युवकों के एक गिरोह को पकड़ा था। गिरोह हाईवे पर खुद को पुलिसकर्मी बताकर अवैध वसूली करता था और बेरोजगार युवाओं को पुलिस में भर्ती कराने का झांसा देकर ठगी करता था। पुलिस के मुताबिक, उस गिरोह का सरगना भी गढ़ाकोटा का शिवम चतुर्वेदी ही था। जेल से बाहर आने के बाद उसने ठगी के लिए नया तरीका अपनाया।

सिंहस्थ-2028 में 125 से ज्यादा ट्रेनें चलाएगा रेलवे:इंदौर पहुंचे चेयरमैनबोले- यात्रियों की सुरक्षा के लिए अककैमरों से होगी निगरानी

इंदौर। उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ 2028 को लेकर रेलवे ने तैयारियां तेज कर दी हैं। सिंहस्थ के दौरान देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या को देखते हुए रेलवे 125 से अधिक स्पेशल ट्रेनें चलाने की तैयारी कर रहा है। रेलवे बोर्ड के चेयरमैन सतीश कुमार ने रविवार को इंदौर पहुंचकर रेलवे की तैयारियों और विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ के दौरान यात्रियों की सुविधा और भीड़ को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त संख्या में ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। प्रयास रहेगा कि यात्रियों को यात्रा के लिए ज्यादा किराया नहीं चुकाना पड़े। चेयरमैन सतीश कुमार ने इंदौर स्टेशन, शास्त्री ब्रिज और आसपास चल रहे रेलवे से जुड़े विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से स्टेशन रीडेवलपमेंट, यात्री सुविधाओं और इंदौर से जुड़े महत्वपूर्ण रेल प्रोजेक्ट्स की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने इंदौर-मनमाड़, इंदौर-खंडवा और इंदौर-उज्जैन रेल सेक्शन के काम में तेजी लाने के निर्देश दिए।

सिंहस्थ के लिए 125 से ज्यादा ट्रेनें, यात्रियों के किराए पर भी फोकस

सिंहस्थ 2028 में करोड़ों श्रद्धालुओं के उज्जैन पहुंचने की संभावना है। इसे देखते हुए रेलवे ने अभी से यात्री परिवहन की योजना पर काम शुरू कर दिया है। चेयरमैन ने स्पष्ट किया कि सिंहस्थ के दौरान 125 से अधिक ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। इन ट्रेनों के जरिए उज्जैन के साथ इंदौर और आसपास के शहरों को जोड़ने पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। रेलवे का प्रयास होगा कि श्रद्धालुओं को सुगम और सुरक्षित रेल यात्रा मिल सके। ट्रेनों की संख्या बढ़ाने के साथ यात्रियों पर अतिरिक्त किराए का बोझ न पड़े, इस पर भी ध्यान दिया जाएगा।

दिल्ली के सत्य निकेतन में पांच मंजिला इमारत भरभराकर गिरी, 3 की मौत, बेसमेंट में चल रही थी खुदाई

नई दिल्ली, । दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में रविवार दोपहर एक बड़ा हादसा हो गया। यहां करीब 40-50 साल पुरानी पांच मंजिला इमारत अचानक भरभराकर गिर गई। इमारत में हॉस्टल संचालित हो रहा था और हादसे के समय 50 से अधिक लोगों के मौजूद होने की आशंका है। देर शाम तक मलबे से 9 लोगों को बाहर निकाला गया, जिनमें 3 की मौत हो गई। मृतकों में एक छात्र, एक मजदूर और एक अन्य व्यक्ति शामिल बताया गया है। कई घायलों को एम्स ट्रॉमा सेंटर और सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा दोपहर करीब 1:30 बजे हुआ। इमारत में 20 से 25 कमरे थे और प्रत्येक कमरे में करीब दो छात्र रहते थे। बताया जा रहा है कि हादसे से पहले इमारत के बेसमेंट में पिछले तीन दिनों से खुदाई और निर्माण कार्य चल रहा था। स्थानीय लोगों ने आशंका जताई कि बेसमेंट में चल रहे काम के कारण इमारत की संरचना कमजोर हुई होगी। हालांकि, हादसे की वास्तविक वजह जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। इमारत गिरते ही पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

संकरी गली होने के कारण राहत और बचाव दल को मलबे तक पहुंचने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। शुरूआत में स्थानीय लोगों ने हथौड़ों और अन्य साधनों से मलबा हटाकर लोगों को निकालने का प्रयास किया। बाद में पुलिस, दमकल और आपदा राहत दल ने बचाव अभियान तेज किया। हादसे के बाद मलबे में फंसे एक युवक का वीडियो भी सामने आया। युवक ने मलबे के अंदर से वीडियो बनाकर मदद की गुहार लगाई थी। उसके दोस्त के मुताबिक वह लगातार फोन कर उसे बचाने की अपील कर रहा था। वीडियो सामने आने के बाद बचाव दल ने उस स्थान पर विशेष रूप से रेस्क्यू अभियान चलाया। घायलों में अभिषेक, नीरज, आदित्य सहित अन्य छात्र शामिल बताए गए हैं। घायल मजदूरों में असगर अली और अयान के नाम सामने आए हैं। अस्पताल में भर्ती कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे के बाद आसपास की इमारतों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बढ़ गई। मलबे के पास स्थित एक अन्य इमारत के भी जर्जर होने की बात सामने आई, जिसके बाद वहां रह रहे लोगों को एहतियातन बाहर निकाला गया। पुलिस ने इमारत के मालिक आनंद बंसल के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बताया गया है कि मालिक गुरुग्राम में रहता है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इमारत की हालत कैसी थी, बेसमेंट में किस तरह का काम चल रहा था और निर्माण के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन किया गया था या नहीं। सत्य निकेतन दिल्ली विश्वविद्यालय के साउथ कैंपस के पास स्थित प्रमुख छात्र क्षेत्र है। यहां बड़ी संख्या में छात्र पीजी, हॉस्टल और किराए के मकानों में रहते हैं। आसपास वेंकटेश्वर कॉलेज, आर्यभट्ट कॉलेज, मोतीलाल नेहरू कॉलेज और मैत्रेयी कॉलेज सहित कई शिक्षण संस्थान हैं। ऐसे में पुराने भवनों में बड़ी संख्या में छात्रों के रहने को लेकर सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल उठने लगे हैं। घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी घटनास्थल पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव कार्य का जायजा लिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी हादसे की जानकारी मिलने के बाद गोवा में अपना कार्यक्रम रोक दिया। इस दर्दनाक हादसे ने दिल्ली में पुराने और जर्जर भवनों की सुरक्षा व्यवस्था तथा छात्रावासों में सुरक्षा मानकों के पालन को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब जांच रिपोर्ट से ही स्पष्ट होगा कि इमारत के गिरने के पीछे असली कारण क्या था और बेसमेंट में चल रही खुदाई की इसमें कितनी भूमिका रही।

मच्छरों के आतंक में भुआ-बिछिया, जाम नालियां और जलभराव से बढ़ा डेंगू-मलेरिया का खतरा; जिम्मेदार कब जागेंगे?

मच्छरों के आतंक में भुआ-बिछिया, जिम्मेदारों की नींद कब खुलेगी?

वार्डों में गंदगी, जाम नालियां और जलभराव ने बढ़ाई परेशानी, मलेरिया-डेंगू फैलने की आशंका से दहशत में नगरवासी

फॉगिंग और सफाई व्यवस्था के दावे हवा में, बीमारी फैलने का इंतजार कर रहा नगर परिषद?

दैनिक रेवांचल टाईम्स - मंडला ,भुआ-बिछिया। वर्षा ऋतु के बीच नगर परिषद भुआ-बिछिया के विभिन्न वार्डों में मच्छरों का बढ़ता प्रकोप अब महज असुविधा नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरे की घंटी बनता जा रहा है। जगह-जगह जाम नालियां, जमा गंदा पानी और जलभराव के चलते मच्छरों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। ऐसे हालात में मलेरिया और डेंगू जैसी मच्छरजनित बीमारियों की आशंका ने नगरवासियों की चिंता बढ़ा दी है। विडंबना यह है कि बारिश के मौसम में मच्छरों के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए नगर परिषद को पहले से ही सक्रिय होकर सफाई, जलनिकासी और फॉगिंग की व्यवस्था करनी चाहिए थी, लेकिन जमीनी हालात जिम्मेदारों की कथित उदासीनता की कहानी खुद बयां कर रहे हैं।

नालियां जाम, जलभराव बरकरार... आखिर जिम्मेदार कर क्या रहे हैं?

नगर के कई वार्डों में नालियों की नियमित सफाई नहीं होने से गंदा पानी जमा है। खाली प्लॉट, नालियों और घरों के आसपास जमा पानी मच्छरों के पनपने का बड़ा कारण बन रहा है। इसके बावजूद यदि समय रहते सफाई और मच्छर नियंत्रण की प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है। सवाल यह है कि क्या नगर परिषद किसी बीमारी के फैलने का इंतजार कर रही है? क्या जिम्मेदारों को तब ही फॉगिंग और सफाई की याद आएगी, जब अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ने लगेगी?

फॉगिंग के नाम पर खानापूर्ति या वास्तव में हो रही है कार्रवाई?

नगरवासियों का कहना है कि मच्छरों के बढ़ते प्रकोप के बीच नियमित फॉगिंग, नालियों की सफाई और जलभराव वाले स्थानों पर मच्छर नियंत्रण की कार्रवाई दिखाई देनी चाहिए। केवल कागजों में सफाई और फॉगिंग की व्यवस्था दर्ज कर देने से जमीन पर मच्छर खत्म नहीं होंगे। नगर परिषद को वार्डवार अभियान चलाकर जलभराव वाले स्थानों को चिन्हित करने, नालियों की सफाई कराने और नियमित फॉगिंग कराने की आवश्यकता है। साथ ही स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय कर संभावित मलेरिया-डेंगू के मामलों की निगरानी भी जरूरी है।

बीमारी फैलने के बाद जागेगा प्रशासन?

नगरवासियों का कहना है कि जनस्वास्थ्य से जुड़े मामलों में प्रशासन की भूमिका बीमारी फैलने के बाद इलाज उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं हो सकती। असली जिम्मेदारी तो बीमारी फैलने से पहले उसके कारणों पर रोक लगाने की है। लोगों को घरों के आसपास पानी जमा न होने देने, पुराने टायर, गमले, डिब्बे और अन्य पात्रों में जमा पानी खाली करने तथा साफ-सफाई बनाए रखने के लिए जागरूक करने की जरूरत है। लेकिन इसके साथ नगर परिषद की जिम्मेदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

जनता पूछ रही है–मच्छरों से लड़ने की तैयारी कहां है?

भुआ-बिछिया के वार्डों में बढ़ते मच्छरों के प्रकोप ने नगर परिषद की सफाई और स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि आज नालियां साफ नहीं हुईं, जलभराव नहीं हटाया गया और फॉगिंग नहीं हुई तो कल बीमारी फैलने पर जिम्मेदारी किसकी होगी? नगरवासियों की मांग है कि जिला प्रशासन और नगर परिषद भुआ-बिछिया इस मामले को गंभीरता से लेते हुए वार्डवार सफाई अभियान, नियमित फॉगिंग, जलभराव की तत्काल निकासी और मच्छर नियंत्रण की ठोस कार्रवाई शुरू करें। क्योंकि सवाल सिर्फ मच्छरों का नहीं है– सवाल भुआ-बिछिया के हजारों नागरिकों के स्वास्थ्य और सुरक्षा का है। अब देखना यह है कि जिम्मेदार व्यवस्था बीमारी के दस्तक देने का इंतजार करती है या उससे पहले जागकर कार्रवाई करती है।

वर्दी का रौब या व्यवस्था का दुरुपयोग? वायरल वीडियो ने खोली 'वायरलेस' की कहानी!

दैनिक रेवाँचल टाईम्स - मंडला। शहर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने पुलिस और नगर सुरक्षा व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर वायरल हो रहे एक वीडियो में रूपम नामदेव नामक व्यक्ति के पास पुलिस विभाग में उपयोग होने वाले वायरलेस सेट जैसा उपकरण दिखाई दे रहा है। साथ ही वह पुलिस विभाग की वर्दी जैसी दिखाई देने वाली डांगरी पहने नजर आ रहा है। वही सोशल मीडिया में वीडियो सामने आने के बाद सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर पुलिस जैसी पहचान देने वाले उपकरण और परिधान एक आम व्यक्ति तक कैसे पहुंचे? यदि यह वास्तव में पुलिस विभाग का अधिकृत वायरलेस सेट है, तो इसे संबंधित व्यक्ति को किस अधिकारी ने उपलब्ध कराया और इसके उपयोग की अनुमति किस आधार पर दी गई? **सुरक्षा कर्मचारी या पुलिस की ह्यछायाह्न?** स्थानीय स्तर पर यह भी आरोप लगाए जा रहे हैं कि नगर सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े कुछ कर्मचारी सरकारी वॉकी-टॉकी का उपयोग करते हुए स्वयं को पुलिसकर्मी जैसा प्रस्तुत कर रहे हैं। कुछ लोगों ने इन कर्मचारियों पर शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में लोगों से कथित रूप से वसूली किए जाने के आरोप भी लगाए हैं। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है, लेकिन यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो मामला केवल वायरलेस सेट के उपयोग तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सरकारी उपकरण, पुलिस की पहचान और आम नागरिकों पर कथित प्रभाव के इस्तेमाल तक पहुंच सकता है।कभी फल की गाड़ी तो कभी जनप्रतिनिधियों के वाहन के साथ नजर आने के दावे, स्थानीय लोगों का कहना है कि सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े बताए जा रहे कुछ कर्मचारियों की गतिविधियां भी सवालों के घेरे में हैं। कभी फल की गाड़ी चलाते हुए तो कभी जनप्रतिनिधियों के वाहनों के साथ दिखाई देने की बातें सामने आ रही हैं। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि इन कर्मचारियों की वास्तविक जिम्मेदारी क्या है और उन्हें कौन-कौन से अधिकार दिए गए हैं? **वायरलेस किसके आदेश पर मिला?** मामले का सबसे अहम प्रश्न यही है– नगर सुरक्षा कर्मचारियों को वायरलेस सेट उपलब्ध कराने का अधिकार किसके पास है? क्या उन्हें पुलिस विभाग के संचार उपकरण इस्तेमाल करने की अनुमति है? क्या उन्हें पुलिस जैसी वर्दी या पहचान प्रदर्शित करने की अनुमति है? और यदि नहीं, तो अब तक इस पर कार्रवाई क्यों नहीं हुई? **वीडियो की जांच से खुल सकता है पूरा मामला-**पुलिस विभाग के लिए यह आवश्यक हो जाता है कि वायरल वीडियो की सत्यता की जांच करे। साथ ही यह भी पता लगाया जाए कि वीडियो में दिखाई दे रहा वायरलेस सेट वास्तव में पुलिस विभाग का अधिकृत संचार उपकरण है या कोई अन्य डिवाइस। इसके अलावा उपकरण का स्रोत, संबंधित व्यक्ति को उसकी उपलब्धता, वर्दी जैसी डांगरी के इस्तेमाल और सोशल मीडिया पर उसके प्रदर्शन के संबंध में भी जांच की जरूरत है। यदि जांच में यह सामने आता है कि किसी व्यक्ति ने जानबूझकर स्वयं को पुलिसकर्मी के रूप में प्रस्तुत किया, पुलिस के अधिकृत उपकरण का अनधिकृत इस्तेमाल किया या आम लोगों को भ्रमित करने का प्रयास किया, तो उसके विरुद्ध लागू कानूनों के तहत कार्रवाई का रास्ता खुल सकता है। **अब निगाह पुलिस की जांच पर-** फिलहाल वायरल वीडियो और सामने आए आरोपों की स्वतंत्र एवं आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। पुलिस की जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि वीडियो में दिखाई दे रहा उपकरण क्या है, संबंधित व्यक्ति को वह कैसे मिला और क्या उसके उपयोग की कोई वैध अनुमति थी।

बारिश में बंद खदानों के बावजूद हलोन नदी से रेत निकासी का आरोप

बिना नंबर और कथित बिना रॉयल्टी के दौड़ रहे ट्रैक्टर, हादसे के बाद पलटी रेत से भरी ट्रॉली

रेवांचल टाइम्स बिछिया मंडला। जिले में बारिश के मौसम के चलते रेत खदानों पर प्रतिबंध लगाए जाने के बावजूद कथित अवैध रेत परिवहन का खेल थमता नजर नहीं आ रहा है। प्रशासन की पाबंदियां कागजों तक सीमित हैं या फिर रेत माफियाओं के सामने जिम्मेदार तंत्र बेबस है—यह सवाल अब सड़क पर हुए एक हादसे के बाद और गंभीर हो गया है। बिछिया थाना क्षेत्र में रेत से भरे एक कथित बिना नंबर के ट्रैक्टर ने बाइक सवार को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार घायल हो गया, जबकि टक्कर के बाद ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर ट्रॉली पलट गई। सूत्रों से जानकारी के अनुसार बिछिया थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत कोको डेम के समीप यह हादसा हुआ। बताया जा रहा है कि मोटरसाइकिल से जा रहे कृष्ण कुमार मांडवे उम्र लगभग 34 वर्ष, पिता धर्म सिंह, निवासी पटपरा घुटास को पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे रेत से भरे ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार बताई जा रही है कि बाइक सवार सड़क पर गिरकर घायल हो गया। वहीं चालक ट्रैक्टर पर नियंत्रण नहीं रख सका और रेत से भरी ट्रॉली पलट गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घायल कृष्ण कुमार मांडवे को 108 एंबुलेंस की सहायता से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिछिया पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर किए जाने की जानकारी सामने आई है।

हादसे ने खोल दी अवैध रेत परिवहन की पोल

यह घटना महज सड़क हादसा है या अवैध रेत परिवहन के उस नेटवर्क की तस्वीर, जिस पर लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं? हादसे के बाद यह सवाल इसलिए भी उठ रहा है क्योंकि स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि रेत से भरे ट्रैक्टर बिना नंबर और कथित बिना रॉयल्टी के क्षेत्र में दौड़ रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, बारिश के चलते जिले में रेत उत्खनन पर पाबंदी होने के बावजूद हलोन नदी के बिछिया क्षेत्र से कथित तौर पर रेत निकालकर उसका परिवहन किया जा रहा है। आरोप है कि रात के अंधेरे से लेकर दिन के समय तक ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के जरिए रेत को इधर-उधर पहुंचाया जा रहा है। यदि यह जानकारी सही है तो सवाल सीधे तौर पर खनिज विभाग, राजस्व विभाग और पुलिस की निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़ा होता है।

बिना नंबर के वाहन सड़क पर कैसे दौड़ रहे

हादसे में शामिल बताए जा रहे ट्रैक्टर के बिना नंबर होने की बात सामने आने के बाद परिवहन व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं। आखिर बिना पंजीयन नंबर के कोई ट्रैक्टर सार्वजनिक सड़क पर कैसे संचालित हो रहा था यदि वाहन पर नंबर नहीं था तो क्या संबंधित विभाग की नजर ऐसे वाहनों पर नहीं है और यदि वाहन पंजीकृत है तो नंबर प्लेट क्यों नहीं लगाई गई सड़क पर दौड़ते भारी वाहनों के लिए नियम-कायदे तय हैं। लेकिन यदि बिना नंबर, बिना वैध दस्तावेज और कथित बिना रॉयल्टी के रेत परिवहन करने वाले वाहन खुलेआम दौड़ रहे हैं तो यह केवल खनिज संपदा की चोरी का मामला नहीं, बल्कि आम लोगों की सुरक्षा से जुड़ा प्रश्न भी है।

रेत माफियाओं के हौसले बुलंद

स्थानीय लोगों के बीच चर्चा है कि बिछिया क्षेत्र में रेत का अवैध कारोबार कोई नया मामला नहीं है। नदी से रेत निकालने और उसे ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से परिवहन करने का कथित सिलसिला लंबे समय से चल रहा है। प्रशासन द्वारा कार्रवाई और प्रतिबंध की बातें सामने आती हैं, लेकिन कुछ समय बाद वही वाहन फिर सड़कों पर दिखाई देने लगते हैं। यदि बारिश के मौसम में खदानें बंद हैं, तो फिर रेत से लदी ट्रैक्टर ट्रॉलियां आखिर कहां से आ रही हैं यदि रेत वैध है तो उसकी रॉयल्टी और परिवहन संबंधी दस्तावेज क्या हैं और यदि रेत अवैध रूप से निकाली जा रही है तो नदी क्षेत्र में निगरानी कौन कर रहा है।

हादसा चेतावनी है, कार्रवाई कब

बिछिया क्षेत्र में हुआ यह हादसा प्रशासन के लिए एक चेतावनी माना जा सकता है। आज एक बाइक सवार घायल हुआ है, कल कोई बड़ा हादसा हो जाए तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा तेज रफ्तार में दौड़ते रेत से भरे ट्रैक्टर न केवल सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचाने के आरोपों से घिरे हैं, बल्कि सड़क पर चलने वाले लोगों के लिए भी खतरा बन सकते हैं। सूत्रों से जानकारी अनुसार वाहन मालिक के रूप में राजा ठाकुर, निवासी बिछिया का नाम बताया जा रहा है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि संबंधित जांच के बाद ही हो सकेगी। ऐसे में आवश्यक है कि पुलिस और संबंधित विभाग हादसे में शामिल वाहन के दस्तावेज, रेत की वैधता, रॉयल्टी, वाहन पंजीयन और चालक के संबंध में पूरी जांच करें। सबसे बड़ा सवाल यही है कि यदि क्षेत्र में अवैध रेत परिवहन हो रहा है तो जिम्मेदार विभागों को इसकी जानकारी क्यों नहीं है नदी क्षेत्रों में निगरानी के लिए प्रशासनिक अमला और पुलिस व्यवस्था मौजूद है। इसके बावजूद यदि कथित तौर पर रेत से भरे वाहन लगातार आवाजाही कर रहे हैं तो कहीं न कहीं निगरानी व्यवस्था में चूक की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। अब जरूरत केवल हादसे की जांच तक सीमित रहने की नहीं, बल्कि पूरे कथित अवैध रेत परिवहन नेटवर्क की पड़ताल करने की है। नदी से रेत कहां से निकाली जा रही है, किसके इशारे पर निकाली जा रही है, किन वाहनों से परिवहन हो रहा है, रेत कहां पहुंचाई जा रही है और इस पूरे कारोबार में किन लोगों की भूमिका है—इन तमाम सवालों के जवाब सामने आना जरूरी है। सवाल सीधा है—जब बारिश के चलते रेत खदानें बंद हैं तो सड़क पर रेत से भरे ट्रैक्टरों की दौड़ क्यों जारी है यदि परिवहन वैध है तो रॉयल्टी और दस्तावेज सामने क्यों नहीं आते और यदि परिवहन अवैध है तो कार्रवाई के नाम पर अब तक क्या किया गया अब देखना यह है कि इस हादसे के बाद प्रशासन महज पंचनामा और जांच तक सीमित रहता है या फिर हलोन नदी क्षेत्र में चल रहे कथित अवैध रेत कारोबार की जड़ तक पहुंचकर कार्रवाई करता है। वरना सवाल यही रहेगा—रेत माफियाओं पर प्रशासन का शिकंजा है या फिर सब कुछ यूं ही चलता रहेगा।

पंचायत के पास कचरा वाहन फिर भी घाटों किनारे कचरे का ढेर

मां नर्मदा के घाट बने कचरा घर, सफाई व्यवस्था पर सवाल

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। एक तरफ मां नर्मदा को जीवनदायिनी बताकर उनकी स्वच्छता और संरक्षण के नाम पर बड़े-बड़े अभियान चलाए जा रहे हैं, दूसरी तरफ उन्हीं के घाटों को कचरा घर बनाने की खुली छूट नजर आ रही है। जिला मुख्यालय और आसपास बनाए गए नर्मदा घाटों पर शासन करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, लेकिन जमीनी तस्वीर सरकारी दावों को मुंह चिढ़ाती दिखाई दे रही है। श्रद्धालु दूर-दराज के जिलों से मां नर्मदा के दर्शन, स्नान और पूजा के लिए पहुंचते हैं, लेकिन घाटों पर फैली गंदगी देखकर आस्था के साथ व्यवस्था पर भी सवाल लेकर लौटने को मजबूर हैं। मां नर्मदा किनारे गंदगी फैलाने वालों को न तो नदी की पवित्रता की चिंता है और न ही प्रशासन के नियमों का डर। कहीं घरेलू कचरा नदी किनारे पटक दिया जाता है तो कहीं गंदा पानी नर्मदा में पहुंचाया जा रहा है। ऐसे में सवाल यह है कि मां नर्मदा की स्वच्छता के नाम पर होने वाले सरकारी खर्च का असर आखिर दिखाई कहां दे रहा है

त्रिशूल घाट पर कचरे का कब्जा

ग्राम पंचायत देवदरा के श्मशान घाट के पास स्थित त्रिशूल घाट की स्थिति भी जिम्मेदारों के लिए शर्मनाक सवाल खड़ा कर रही है। स्थानीय जानकारी के अनुसार कुछ लोगों द्वारा घरों से निकलने वाला कचरा घाट के आसपास खुले में फेंका जा रहा है। देखते ही देखते नदी का किनारा कचरा फेंकने का अघोषित अड्डा बनता जा रहा है। जिस घाट पर लोग आस्था लेकर पहुंचते हैं, उसी जगह कचरे के ढेर दिखाई दें तो यह केवल गंदगी नहीं, बल्की मां नर्मदा के प्रति हमारी कथित श्रद्धा की असल तस्वीर है।

पंचायत में कचरा गाड़ी है तो नदी किनारे कचरा क्यों

सबसे बड़ा सवाल ग्राम पंचायत देवदरा की व्यवस्था पर है। पंचायत द्वारा घरों से कचरा उठाने के लिए कचरा वाहन की व्यवस्था किए जाने की बात सामने आती है। इसके बावजूद यदि लोग घरों का कचरा तट किनारे फेंक रहे हैं तो आखिर कचरा संग्रहण व्यवस्था कितनी प्रभावी है, क्या कचरा वाहन नियमित रूप से घरों तक पहुंचता है क्या पंचायत ने तट किनारे कचरा फेंकने वालों को कभी चेतावनी दी क्या किसी पर जुमार्ना लगाया गया क्या खुले में कचरा फेंकने वालों के खिलाफ कार्रवाई हुई। यदि इन सवालों का जवाब 'नहीं' है तो फिर कचरा वाहन की व्यवस्था केवल दिखावा बनकर रह गई है।

करोड़ों खर्च, फिर भी व्यवस्था बदहाल

नर्मदा तटों के विकास और सौंदर्यीकरण के नाम पर सरकारी स्तर पर बड़ी-बड़ी योजनाएं संचालित होती हैं। घाट बनते हैं, सुविधाओं का विस्तार किया जाता है और साफ-सफाई के लिए भी राशि खर्च की जाती है। लेकिन यदि उन्हीं घाटों के आसपास कचरे का ढेर लग जाए तो सवाल सीधे सरकारी निगरानी पर उठता है। घाट चमकाने के लिए पैसा खर्च करना आसान है, लेकिन उसे साफ रखना किसकी जिम्मेदारी है क्या अधिकारियों ने कभी वास्तविक स्थिति देखने के लिए घाटों का निरीक्षण किया यदि निरीक्षण किया तो गंदगी नजर क्यों नहीं आई और अगर नजर आई तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई।

श्रद्धालुओं की आस्था से खिलवाड़

नर्मदा घाटों पर आने वाले श्रद्धालु सिर्फ घूमने नहीं आते। वे इसे धार्मिक आस्था का केंद्र मानते हैं। ऐसे में घाटों पर कचरा, दुर्गंध और गंदा पानी देखकर उनकी भावनाओं को ठेस पहुंचना स्वाभाविक है। एक ओर प्रशासन नर्मदा संरक्षण और स्वच्छता को लेकर जागरूकता अभियान चलाता है, वहीं दूसरी ओर घाटों की वास्तविक स्थिति उन अभियानों की हकीकत उजागर कर देती है।

तटों को कचरा स्थल समझने वालों पर कब लगेगा अंकुश

तट किनारे कचरा फेंकना केवल सफाई की समस्या नहीं है। प्लास्टिक और अन्य घरेलू कचरा पानी में पहुंचने से नदी के पर्यावरण और जलीय जीवन पर भी असर पड़ सकता है। इसके बावजूद यदि लोग नर्मदा तट को अपनी सुविधा के लिए कचरा फेंकने की जगह समझ रहे हैं तो प्रशासन को सख्ती दिखानी होगी। सिर्फ लोगों को जागरूक करने से काम नहीं चलेगा। जो जानबूझकर मां नर्मदा को गंदा कर रहे हैं, उन पर जुमार्ना और कार्रवाई भी जरूरी है।

पंचायत और प्रशासन आमने-सामने सवालों के घेरे में

त्रिशूल घाट की तस्वीरें और स्थिति यदि सामने आती हैं तो ग्राम पंचायत से लेकर संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों तक की जिम्मेदारी तय होना चाहिए। कचरा वाहन उपलब्ध है तो उसका नियमित संचालन सुनिश्चित किया जाए। तट किनारे कचरा फेंकने वालों को चिन्हित किया जाए। घाटों की नियमित सफाई हो और निगरानी व्यवस्था मजबूत की जाए। क्योंकि मां नर्मदा की सफाई केवल भाषणों और अभियानों से नहीं होगी। इसके लिए जमीन पर व्यवस्था और नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई दोनों जरूरी हैं। बड़ा सवाल जब नर्मदा को मां कहा जाता है तो फिर उसी मां के आंचल में कचरा डालने वालों को खुली छूट क्यों, कचरा गाड़ी होने के बावजूद घाटों पर कचरा क्यों रुपये खर्च होने के बाद भी नर्मदा तट बदहाल क्यों, जिम्मेदार अधिकारी और पंचायत घाटों की वास्तविक स्थिति देखने कब पहुंचेंगे, अब समय केवल सफाई के दावे करने का नहीं, बल्कि मां नर्मदा को गंदा करने वालों और व्यवस्था को लापरवाही की भेंट चढ़ाने वाले जिम्मेदारों—दोनों पर कार्रवाई करने का है। वरना सरकारी अभियान चलते रहेंगे, बजट खर्च होता रहेगा और मां नर्मदा के घाट कचरे के ढेर में तब्दील होते रहेंगे।

दहना गांव में मलेरिया का कहर एक ही घर के दो बच्चे पॉजिटिव

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिले में बारिश के बीच मच्छरजनित बीमारियों का खतरा बढ़ता नजर आ रहा है। बीजाडांडी विकासखंड के ग्राम दहना में एक ही परिवार के दो मासूम बच्चों के मलेरिया पॉजिटिव पाए जाने से स्वास्थ्य विभाग में भी चिंता बढ़ गई है। दोनों बच्चों की स्थिति के साथ गंभीर एनीमिया भी सामने आया है, जिसके चलते उन्हें बेहतर उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज जबलपुर में भर्ती कराया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी मंडला कार्यालय से जारी जानकारी के अनुसार, 5 सितंबर 2026 को ग्राम दहना निवासी विजय वरकड़े के दो बच्चे—नित्यम (3 वर्ष) और नमस्वी (6 वर्ष)—मलेरिया पॉजिटिव पाए गए। दोनों बच्चों का हीमोग्लोबिन भी बेहद कम बताया गया है। विभागीय जानकारी के अनुसार नित्यम का हीमोग्लोबिन 4 ग्राम तथा नमस्वी का 4.3 ग्राम दर्ज किया गया। **घर पहुंची स्वास्थ्य टीम, समझाइश के बाद अस्पताल लाया गया-** बच्चों की गंभीर स्थिति को देखते हुए मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी बीजाडांडी डॉ. अजयतोष मरावी के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य टीम बच्चों के घर पहुंची। परिवारजनों को बच्चों की स्थिति और बेहतर उपचार की आवश्यकता के संबंध में समझाइश दी गई। इसके बाद स्वास्थ्य टीम द्वारा दोनों बच्चों को उल्ठ बीजाडांडी की एंबुलेंस से स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जांच एवं चिकित्सकीय परीक्षण के बाद उनकी स्थिति को देखते हुए उच्च स्तरीय उपचार के लिए जबलपुर मेडिकल कॉलेज भेजने की प्रक्रिया की गई। **काउंसलिंग के बाद मेडिकल कॉलेज में भर्ती-** विभागीय जानकारी के अनुसार बच्चों के उपचार को लेकर उइटड डॉ. अजयतोष मरावी और नायब तहसीलदार शिखर सोनी के प्रयास एवं काउंसलिंग के बाद दोनों बच्चों को स्वास्थ्य टीम की सतत निगरानी में मेडिकल कॉलेज जबलपुर में भर्ती कराया गया है। बारिश के मौसम में मच्छरों की बढ़ती संख्या के बीच एक ही घर के दो बच्चों के मलेरिया पॉजिटिव मिलने की घटना ग्रामीण क्षेत्रों में मलेरिया की रोकथाम और निगरानी को लेकर गंभीर चेतावनी भी है। स्वास्थ्य विभाग को ग्रामीण क्षेत्रों में मलेरिया जांच, बुखार के मरीजों की स्क्रीनिंग, मच्छर नियंत्रण और लोगों को जागरूक करने के अभियान को और प्रभावी बनाने की आवश्यकता है।

नौनिहालों के उंजाले नाम पर अंधेरा, 6 आंगनबाड़ियों में लगें 12 ट्यूबलाइट, 6 पंखे, 6 बोर्ड, बिल में उड़ा दिए 81 हजार

जिम्मेदारों की आंख ने बंधी पट्टी, ग्रामीणों ने की जांच की मांग।

दैनिक रेवांचल टाइम्स उमरिया। पाली जनपद की घुनघुटी ग्राम पंचायत में इसी रोशनी को बेच दिया गया। कागजों पर ऐसा उजाला दिखाया कि पोर्टल चमक उठा, लेकिन धरातल पर 6 आंगनबाड़ी केंद्र आज भी टिमटिमाती ट्यूबलाइट और टेढ़े लटके पंखे की गवाही दे रहे हैं। मामला 15 वां वित्त आयोग की अनटाइड राशि का है। 21 जनवरी 2026 को वाउचर नंबर एक्स व्ही एफ सी /2025-26/पी/ 10 से रामकरण लोधी के खाते में 81 हजार रुपये बिजली फिटिंग कार्य के नाम पर डाले गए हैं जो कि वास्तविक बिल से ढाई गुना से भी ज्यादा का देयक लगा कर चूना लगाने की बात उजागर हुई है , भुगतान के मद पर लिखा है की - 4801 कैपिटल आउटले ऑन रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन, एक्टिविटी कोड 127318791 इलेक्ट्रिक कनेक्शन। नाम इतना भारी-भरकम कि कोई आम ग्रामीण समझ ही न पाए और इसी समझ के अंधेरे का फायदा उठाकर पूरा खेल कर दिया गया। हकीकत यह है कि प्रत्येक आंगनबाड़ी में सिर्फ 2 ट्यूबलाइट, 1 पंखा और 1 बोर्ड टांगा गया है। वही बाजारू, हल्की क्वालिटी वाला सामान। एक केंद्र में 3 हजार से ज्यादा का सामान नहीं उपयोग किया गया , इस तरह घुनघुटी की 6 आंगनबाड़ी केंद्रों के मान से हिसाब लगाया जाये तो वास्तविक व्यय भी अधिकतम 18 हजार रुपये व्यय बताया जाता है इस पर भी अन्य व्यय का हिसाब भी जोड लिया जाये जैसे मिस्त्री-मजदूरी सहित 25-30 हजार रुपए से अधिक किसी भी कीमत व्यय नहीं हो सकती, फिर 81 हजार का आंकड़ा कहां से आया? इस मामले में जानकर सूत्रों का कहना है कि इस पूरे मामले में सीधा 50 हजार से ज्यादा की राशि कागजों में ही हजम कर ली गई। जिस आंगनबाड़ी में 3 से 6 साल के बच्चे पढ़ते हैं, जहां गर्भवती महिलाओं को पोषण मिलना है, वहां बिजली के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति। वाउचर में चस्पा की गई फोटो 176899281819प्त81000 एच टी टी पी / 16 जे पी जी में भी वही एक-दो बोर्ड दिख रहे हैं, लेकिन पोर्टल पर अपलोड होते ही वह फोटो सरकारी ईमानदारी का प्रमाण बन गई। सवाल सरपंच-सचिव से ही नहीं, उस पूरी निगरानी व्यवस्था से है जो ई-ग्राम स्वराज के नाम पर सिर्फ पीडीएफ अपलोड को ही विकास मान लेती है। बिना भौतिक सत्यापन के पैसा जारी कैसे हो गया? बिना बाजार दर मिलान के 81 हजार का भुगतान किसने पास किया। अब ग्रामीणों ने कलेक्टर उमरिया से सीधी मांग की है, की घुनघुटी ग्राम पंचायत में आयोजित होने वाली जन विश्वास कार्यक्रम में कम से कम इन आंगनवाड़ी केन्द्रो का एक बार अपने सामने तकनीकी जांच कराते हुए 81 हजार के वाउचर का भौतिक सत्यापन कराने की मांग की है।

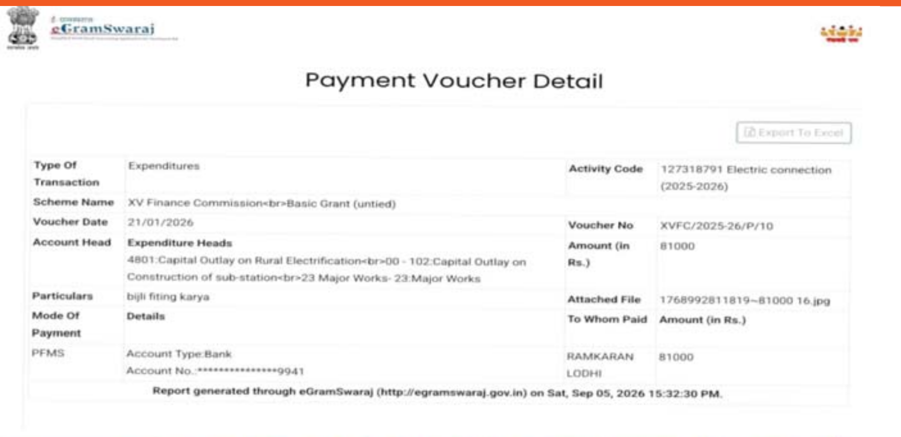
eGramSwaraj

Payment Voucher Detail

Export To Excel

Type Of Transaction	Expenditures	Activity Code	127318791 Electric connection (2025-2026)
Scheme Name	XV Finance Commission Basic Grant (untied)		
Voucher Date	21/01/2026	Voucher No	XVFC/2025-26/P/10
Account Head	Expenditure Heads 4801:Capital Outlay on Rural Electrification 00 - 102:Capital Outlay on Construction of sub-station 23 Major Works- 23:Major Works	Amount (in Rs.)	81000
Particulars	bijli fiting karya	Attached File	1768992811819~81000 16.jpg
Mode Of Payment	Details	To Whom Paid	Amount (in Rs.)
PFMS	Account Type:Bank Account No.:**************9941	RAMKARAN LODHI	81000

Report generated through eGramSwaraj (http://egramswaraj.gov.in) on Sat, Sep 05, 2026 15:32:30 PM.

चोरी हुई 49 नग डीआई पाइप आइसर ट्रक सहित जब्त 23.50 लाख मशरूका बरामद, ट्रक चालक गिरफ्तार

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। थाना रामनगर पुलिस ने नगर परिषद डोला की अमृत 2.0 जल प्रदाय योजना में उपयोग हेतु रखी गई 49 नग डीआई पाइप चोरी के मामले का सफल खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी गई पाइप बरामद की है। 04 सितंबर 2026 को उमाशंकर कुशवाहा द्वारा थाना रामनगर में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि नगर परिषद डोला अंतर्गत बस स्टैंड के पास अमृत 2.0 जल प्रदाय योजना के लिए रखी गई 49 नग डीआई पाइप अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ली गई हैं। चोरी गई पाइप की अनुमानित कीमत ?3,50,350 है। रिपोर्ट पर थाना रामनगर में अपराध क्रमांक 258/26 धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए थाना रामनगर पुलिस ने तत्काल जांच प्रारंभ की। विवेचना के दौरान तकनीकी एवं भौतिक साक्ष्यों के साथ-साथ घटनास्थल एवं आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को भी खंगाला गया। प्राप्त साक्ष्यों एवं सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदेही ट्रक की पहचान कर इंदौर निवासी ट्रक चालक अंसार पटेल पिता इशाक पटेल, उम्र 55 वर्ष को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने एक अज्ञात व्यक्ति (उक्त व्यक्ति का मोबाइल नंबर उपलब्ध कराया है जिसकी विवेचना की जा रही है) के कहने पर नगर परिषद डोला बस स्टैंड के पास रखी डीआई पाइप ट्रक क्रमांक टढ 09 ऋख 7865 में लोड की थीं। आरोपी की निशानदेही पर चोरी गई 49 नग डीआई पाइप मय ट्रक के पथरौड़ी के पास से बरामद कर ली गईं हैं । आरोपी ट्रक चालक ने बताया कि जिस व्यक्ति ने ट्रक में चोरी कराकर पाइप लोड कराया था वह अपना मोबाइल बंद कर लिया था जिस कारण से यह पाइप लेकर गंतव्य तक नहीं पहुंच पाया था । पुलिस ने 49 नग डीआई पाइप कुल अनुमानित कीमतः ?3,50,350 ट्रक क्रमांक टढ 09 ऋॡ 7865 आइसर कंपनी का कीमती करीब 20 लाख रुपए की मशरूका बरामद की है।

हादसे के बाद फरिश्ता बने हिमांशु तिवारी, गंभीर घायल को अपनी बाइक से पहुंचाया अस्पताल युवक की बची जान

क्या मिलेगा राहवीर पुरस्कार?

दैनिक रेवांचल टाइम्स उमरिया। सड़क हादसे के बाद जब लोग मदद के लिए आगे आने से कतराते हैं, ऐसे समय में पाली के युवा हिमांशु तिवारी ने एक बार फिर इंसानियत की मिसाल पेश की। पाली बस स्टैंड से कुछ दूरी पर किट्टी सुपरमार्केट के समीप हाईवे मार्ग पर दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में दोनों बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।दुर्घटना के बाद एक युवक की हालत बेहद गंभीर थी। उसके सिर, नाक और कान से काफी मात्रा में रक्तस्राव हो रहा था। मौके की गंभीर स्थिति को देखते हुए हिमांशु तिवारी ने एक पल की भी देरी नहीं की और अपनी मोटरसाइकिल से घायल युवक को पाली शासकीय अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों को तत्काल घटना की जानकारी दी गई। पुलिस की मौजूदगी में घायल का उपचार शुरू कराया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे शहडोल रेफर किया। समय पर अस्पताल पहुंचाए जाने से घायल को तत्काल चिकित्सा सुविधा मिल सकी। यह पहली बार नहीं है जब हिमांशु तिवारी किसी सड़क हादसे में घायल व्यक्ति की मदद के लिए आगे आए हों। उनके अनुसार, वे पिछले कई वर्षों से सड़क दुर्घटनाओं में घायल लोगों को समय पर अस्पताल पहुंचाने और उनकी मदद करने का प्रयास करते आ रहे हैं। हिमांशु तिवारी का कहना है कि दुर्घटना के बाद शुरूआती समय बेहद महत्वपूर्ण होता है। ऐसे में घायल को समय पर चिकित्सा सुविधा मिल जाए, यही सबसे जरूरी है। इसी सोच के साथ वे अपनी क्षमता के अनुसार जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आते हैं। लगातार सड़क हादसों में घायलों की मदद करने और उन्हें समय पर अस्पताल पहुंचाने के हिमांशु तिवारी के प्रयासों के बाद अब स्थानीय लोगों के बीच एक सवाल तेजी से चर्चा में है—क्या शासन-प्रशासन उनके इन लगातार मानवीय कार्यों को देखते हुए उन्हें राहवीर पुरस्कार से सम्मानित करेगा?

बाघ के शिकार एवं वन्यजीव अंगों की तस्करी के मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

छुरी, चाकू, कुल्हाड़ी पक्षी पकड़ने का जाल बरामद

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। मध्यप्रदेश स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स की क्षेत्रीय इकाई जबलपुर ने बाघ के शिकार एवं वन्यजीव अंगों की तस्करी से जुड़े प्रकरण में लंबे समय से फरार आरोपी शेरू पारधी को शहडोल जिले के ब्यौहारी क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। आरोपी के विरुद्ध विभिन्न राज्यों में वन्यजीव अपराध से संबंधित प्रकरण दर्ज होने की जानकारी सामने आई है। एसटीएसएफ द्वारा बालाघाट में बाघ के शिकार एवं उसके अंगों की तस्करी से जुड़े प्रकरण की विवेचना की जा रही है। विवेचना के दौरान एक संगठित गिरोह के सक्रिय होने की जानकारी सामने आई, जिसके तार देश के विभिन्न राज्यों के साथ ही अंतरराष्ट्रीय वन्यजीव तस्करी नेटवर्क से जुड़े होने की आशंका है। प्रकरण में अब तक मध्यप्रदेश सहित पांच राज्यों से आठ आरोपियों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। फरार आरोपी शेरू पारधी की तलाश के लिए एसटीएसएफ द्वारा मुखबिर तंत्र सक्रिय किया गया था। सूचना प्राप्त होने के बाद विशेष टीम गठित कर 4 सितंबर को शहडोल जिले के आसपास के क्षेत्रों में भेजी गई। आरोपी की लोकेशन धनपुरी, बुढार एवं शहडोल क्षेत्र में मिलने के बाद रळरऋजबलपुर की टीम ने स्थानीय वन विभाग एवं पुलिस टीम के सहयोग से उसकी गतिविधियों पर नजर रखी। लगातार रेकी के बाद टीम ने आरोपी को ब्यौहारी क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई के दौरान आरोपी की पत्नी बिनौरी बाई को भी सह-आरोपी बनाया गया है। आरोपियों के पास से छुरी, चाकू, कुल्हाड़ी तथा पक्षी पकड़ने का जाल बरामद किया गया है। विवेचना में सामने आया है कि गिरोह द्वारा विभिन्न राज्यों में बाघों का शिकार कर उनके अंगों की तस्करी किए जाने की आशंका है। बाघ की हड्डियों एवं अन्य अवयवों को देश के पूर्वोत्तर राज्यों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय तस्करी नेटवर्क तक पहुंचाए जाने की जानकारी भी विवेचना में सामने आई है।

9.10 लाख की रिकवरी कार्रवाई पर आपत्ति, अधिकारियों की भूमिका की जांच, दोबारा माप की मांग

संभागायुक्त से उच्चस्तरीय जांच की मांग

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। ग्राम पंचायत जमुनीहा-1 में जिला खनिज प्रतिष्ठान निधि से कराए गए करौंधिया नाला स्टॉपडैम एवं गजहा नाला स्टॉपडैम के निर्माण कार्यों को लेकर विवाद गहरा गया है। जिला पंचायत द्वारा जारी कारण बताओ सूचना-पत्र में तकनीकी माप, मूल्यांकन और निर्माण कार्य में अंतर का उल्लेख करते हुए दोनों कार्यों में कुल करीब 9.10 लाख रुपये की राशि को लेकर आपत्ति दर्ज की गई है। अब ग्राम पंचायत जमुनीहा-1 के निर्वाचित सरपंच ने इस कार्रवाई की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए शहडोल संभागायुक्त से स्वतंत्र एवं उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। सरपंच ने संभागायुक्त को दिए आवेदन में आरोप लगाया है कि दोनों स्टॉपडैम निर्माण कार्यों की वास्तविक और निष्पक्ष मौका जांच किए बिना उपलब्ध अभिलेखों एवं माप पुस्तिका के आधार पर निष्कर्ष निकाला गया है। उन्होंने मांग की है कि वरिष्ठ एवं स्वतंत्र तकनीकी अधिकारियों की समिति गठित कर दोनों निर्माण कार्यों की मौके पर दोबारा माप, तकनीकी परीक्षण और जांच कराई जाए। साथ ही जांच की पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी कराने की मांग भी की गई है। जिला पंचायत अनूपपुर की ओर से जारी कारण बताओ सूचना-पत्र में जल संसाधन विभाग अनूपपुर द्वारा प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन का हवाला दिया गया है। इसमें करौंधिया नाला स्टॉपडैम और गजहा नाला स्टॉपडैम के निर्माण में तकनीकी स्वीकृति, माप पुस्तिका में दर्ज मूल्यांकन तथा मौके पर प्राप्त वास्तविक स्थिति के बीच अंतर का उल्लेख किया गया है। सरपंच ने अपने आवेदन में कहा है कि यदि माप पुस्तिका में वास्तविक कार्य से अधिक माप दर्ज हुई है तो यह भी जांच का विषय है कि माप किस अधिकारी ने दर्ज की, कब दर्ज की गई और उसका सत्यापन किस अधिकारी ने किया। सरपंच ने उपयंत्री, सहायक यंत्री तथा अन्य संबंधित अधिकारियों द्वारा किए गए माप, सत्यापन एवं निरीक्षण की भूमिका की स्वतंत्र जांच की मांग की है। उन्होंने यह भी मांग की है कि यदि धनराशि मांगने संबंधी आरोप जांच में सही पाए जाते हैं तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध भ्रष्टाचार एवं अनुशासनात्मक नियमों के तहत कार्रवाई की जाए।

गुरुनानक मटकी फोड़ प्रतियोगिता में विजेता टीम को 1.51 लाख की जगह मिले 21 हजार, धार्मिक आयोजन पर छल का आरोप

विजेता टीम पर डराया धमकाया, समिति के पंजीयन पर उठे सवाल

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर शहडोल के गुरुनानक चौक में आयोजित दही हांडी एवं मटकी फोड़ प्रतियोगिता अब विवादों में घिर गई है। प्रतियोगिता में विजेता बनी अनूपपुर जिले के ग्राम केल्होरी की टीम ने आयोजन समिति पर घोषित पुरस्कार राशि देने के बजाय कम राशि देकर धोखा करने का गंभीर आरोप लगाया है। मामले को लेकर क्षेत्र में नाराजगी और चर्चा का माहौल है। जानकारी के अनुसार, गुरुनानक चौक सेवा समिति द्वारा आयोजित मटकी फोड़ प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार के रूप में ?1 लाख 51 हजार की राशि घोषित की गई थी। इस प्रतियोगिता में विभिन्न क्षेत्रों से टीमों ने हिस्सा लिया। अनूपपुर जिले के केल्होरी गांव से पहुंची युवाओं की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद मटकी फोड़कर प्रथम स्थान हासिल किया। विजेता टीम का आरोप है कि प्रतियोगिता जीतने के बाद जब पुरस्कार वितरण का समय आया तो उन्हें घोषित ?1.51 लाख की पूरी राशि देने के बजाय मात्र ?21 हजार देकर रवाना कर दिया गया। टीम के सदस्यों ने अपनी घोषित पुरस्कार राशि की मांग की, लेकिन उनकी बात नहीं सुनी गई। आरोप है कि बाहर से आई युवाओं की टीम पर दबाव बनाया गया और उन्हें डराने-धमकाने के बाद शहडोल से वापस भेज दिया गया। इस घटना के बाद धार्मिक और सामाजिक आयोजन की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव जैसे धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन में युवाओं के साथ इस प्रकार का व्यवहार बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। यदि वास्तव में ?1.51 लाख का प्रथम पुरस्कार घोषित किया गया था, तो विजेता टीम को पूरी राशि मिलनी चाहिए थी। मामले में गुरुनानक चौक सेवा समिति के अध्यक्ष लकी साहू, उपाध्यक्ष सोनू साहू, सचिव बबलू कटारे, सोनू खान सहित आयोजन से जुड़े अन्य पदाधिकारियों की भूमिका को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। सूत्रों की माने तो ही गुरुनानक चौक सेवा समिति का कोई शासकीय रिकॉर्ड वैध दस्तावेज रजिस्ट्रेशन भी शासन के रिकॉर्ड मे उपलब्ध नहीं है।

श्री चंद्राचार्य धर्मार्थ चिकित्सालय में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन, 40 मरीजों का हुआ पंजीयन

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। पवित्र नगरी अमरकंटक में सेवा, समर्पण और मानव कल्याण की भावना को साकार करते हुए श्री कल्याण सेवा आश्रम अमरकंटक द्वारा संचालित श्री चंद्राचार्य धर्मार्थ चिकित्सालय में रविवार को निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर प्रथम हॉस्पिटल के संयुक्त सहयोग से आयोजित हुआ, जिसमें विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया। श्री चंद्राचार्य धर्मार्थ चिकित्सालय में प्रत्येक माह के प्रथम एवं द्वितीय रविवार को नियमित रूप से निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाते हैं। इन शिविरों का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर, जरूरतमंद तथा दूरस्थ ग्रामीण एवं आदिवासी अंचलों से आने वाले मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं एवं विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराना है। आज आयोजित शिविर में विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं से संबंधित कुल 40 मरीजों का पंजीयन किया गया। चिकित्सकों ने मरीजों की स्वास्थ्य स्थिति का परीक्षण करते हुए आवश्यक उपचार एवं स्वास्थ्य संबंधी परामर्श दिया। शिविर में विशेष रूप से लकवा एवं मिर्गी जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श एवं आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। श्री कल्याण सेवा आश्रम अमरकंटक के प्रबंध न्यासी स्वामी हिमाद्री मुनि महाराज के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से आश्रम द्वारा चिकित्सा एवं जनसेवा के विभिन्न कार्य निरंतर संचालित किए जा रहे हैं। जरूरतमंदों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना आश्रम की सेवा परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

संपादकीय

जवाब दे चुनाव आयोग

चुनाव आयोग और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) एक बार फिर चर्चा में नहीं, सवालों और विवादों में हैं। देश की राजधानी दिल्ली में करीब 47.5 लाख मतदाताओं के नाम काट दिए गए हैं। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के राज्य महाराष्ट्र में 2.07 करोड़ मतदाताओं के नाम सूची से हटा दिए गए हैं। फिलहाल ड्राफ्ट सूची जारी हुई है। अभी लोगों के पास वक्त है कि वे आपत्ति और दावे दर्ज करा सकते हैं और मताधिकार के मौलिक अधिकार की रक्षा कर सकते हैं। दिल्ली में कुल मतदाता 1.45 करोड़ से अधिक थे, जिनमें से अब 97.53 लाख से कुछ अधिक ही नई सूची में दर्ज किए गए हैं। दिल्ली के तुगलकाबाद में 47.85 फीसदी मतदाताओं के नाम पर ह्यलाल लाइनह्ल फेर दी गई है। ओखला, बदरपुर, कस्तूरबा नगर में भी 40-45 फीसदी मतदाताओं के नाम काट दिए गए हैं। राजधानी दिल्ली कोई सीमावर्ती क्षेत्र नहीं है, लिहाजा बांग्लादेशी या रोहिंग्या घुसपैठियों की संभावनाएं नगण्य हैं। जो बंगाली लोग दिल्ली में बसे हैं और वहां निरंतर काम कर रहे हैं, वे लंबे समय से दिल्ली में ही हैं। उनके मतदाता पहचान-पत्र भी बने हुए हैं और वे चुनावों में मतदान करते रहे हैं। दिल्ली में फरवरी-मार्च, 2025 में विधानसभा चुनाव हुए थे, संभवतः उन्होंने भी मतदान किया होगा, जिनके नाम अब एसआईआर में काट दिए गए हैं। जिन इलाकों में 40-47.8 फीसदी तक वोटर सूची से बाहर कर दिए गए हैं, वे भी विधानसभा क्षेत्र हैं, जाहिर है कि वहां भी वोट दिए गए होंगे और विधायक भी चुने गए हैं। क्या वे सभी ह्यफर्जीह्ल जन-प्रतिनिधि हैं? इसका जवाब तो चुनाव आयोग ही दे सकता है। उसने कुछ वर्गीकरण स्पष्ट किए भी हैं, लेकिन वे पर्याप्त और स्पष्ट नहीं हैं। काम या नौकरी के लिए कोई भी व्यक्ति बाहर जा सकता है। क्या उसकी अनुपस्थिति दिखा कर उसका मताधिकार छीना जा सकता है? महाराष्ट्र में भी विधानसभा चुनाव नवंबर, 2024 में हुए हैं। वहां करीब 9.78 करोड़ मतदाताओं ने विधानसभा के लिए मताधिकार का प्रयोग किया। 2024 के लोकसभा चुनाव में भी 9 करोड़ से अधिक मतदाता थे, लेकिन अब एसआईआर के बाद ड्राफ्ट सूची में 7.71 करोड़ मतदाताओं के ही नाम दर्ज किए गए हैं। अर्थात 2.07 करोड़ मतदाता, किसी भी कारण से, ह्यफर्जीह्ल करार दे दिए गए हैं। दिल्ली, महाराष्ट्र की घटनाएं, मताधिकार छीनने की कवायद, कोई सामान्य बात नहीं है। बेशक संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत चुनाव आयोग को मतदाता सूची के अधीक्षण, निर्देशन, नियंत्रण का अधिकार दिया गया है, तो अनुच्छेद 326 में प्रत्येक वयस्क भारतीय नागरिक को मताधिकार का मौलिक अधिकार भी प्राप्त है। उसे चुनाव आयोग कैसे छीन सकता है? एसआईआर की अभी तक कवायद में 6 करोड़ से अधिक मतदाताओं का मौलिक अधिकार छिन चुका है। सरकार की तो आंखें मिची हैं, क्योंकि उसकी पार्टी चुनाव-दर-चुनाव जीत रही है। कमोबेश सर्वोच्च अदालत तो निर्णायक हस्तक्षेप करे और नागरिकों को इस ह्यसंवैधानिक आघातह्ल से बचाए। यहां पश्चिम बंगाल का उल्लेख करना भी प्रासंगिक है। वहां इसी मई, 2026 में विधानसभा चुनाव हुए हैं और भाजपा की पहली बार सरकार बनी है। चुनाव से पहले एसआईआर के तहत 27.16 लाख मतदाताओं को ह्यतार्किक विसंगतिह्ल श्रेणी में रखा गया था। यह श्रेणी किसी अन्य राज्य में नहीं बनाई गई। बहरहाल सर्वोच्च अदालत के निर्देश पर ट्रिब्यूनल गठित किए गए। बीते दिनों तक 82,782 मामले ट्रिब्यूनल ने निपटाए हैं, जिनमें से 75,443 मतदाताओं के नाम और दावे सही पाए गए। गौरतलब यह है कि मालदा, उत्तर 24 परगना सरीखे क्षेत्रों में 100 फीसदी नाम सही पाए गए, लेकिन वे मतदाता वोट नहीं डाल पाए। बंगाल में कुल 91 फीसदी मतदाता सही पाए गए, जिनके नाम काट दिए गए थे, लेकिन विडंबना है कि करीब 7 लाख लोगों ने ही आपत्तियां और अपने दावे दर्ज कराए हैं। शेष 20 लाख कथित मतदाता कौन हैं, वे कहां हैं, आपत्तियां दर्ज क्यों नहीं कराईं? गंभीर सवाल यह है कि क्या चुनाव आयोग इतना खुदमुख्तार है कि 6 करोड़ मतदाताओं के नाम काट दे और यह देश के सामने स्पष्ट न हो कि इतने व्यापक स्तर पर संवैधानिक मताधिकार क्यों छीन लिए गए? बिंदुवार जवाब तो चुनाव आयोग ही दे सकता है। विपक्ष की कई पार्टियां इस मसले पर सवाल उठा रही हैं। लोकतंत्र में बेहतर यही होता है कि विपक्ष की आवाज को भी सुना जाए। चुनाव आयोग को यह भी प्रमाणित करना है कि उसने ये नाम दल विशेष की इच्छा पर नहीं हटाए हैं। चुनाव आयोग अगर यह प्रमाणित न कर पाया कि उसने सत्ता पक्ष के लाभ के लिए ऐसा नहीं किया है, तो उस पर लगे आरोपों को मजबूती मिलेगी। चुनाव आयोग को जल्द से जल्द इस मसले पर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

विकसित भारत के लिए कौशल विकास की नई परिकल्पना जरूरी, पुरानी व्यवस्था से नहीं बनेगी बात

पिछले महीने जारी हुई नीति आयोग की रिपोर्ट रीइमेजिनिंग स्किलिंग फॉर विकसित भारत ऐट 2047 यानी 2047 के विकसित भारत के लिए कौशल की नए सिरे से परिकल्पना अपने शीर्षक के अनुरूप और बेहतर हो सकती थी। रीइमेजिनिंग का तात्पर्य है उन बातों को स्पर्श करना और प्रश्न करना जिन पर अब तक प्रश्न नहीं उठाए गए हैं। यह केवल मौजूदा मशीनी प्रक्रियाओं को सुधारने या परिचालन व्यवस्था को उन्नत करने की बात नहीं है बल्कि ढांचे और मूल सवालों को हल करने की बात है। इतना ही नहीं जरूरत पड़ने पर एकदम अलग समाधान भी तैयार किया जा सकता है। रिपोर्ट ने खोज, पहुंच, वहनीयता, इंटर्नशिप और प्रमाणन जैसी चीजों में सुधार की पेशकश की है। फिर भी यह एक ऐसी फैक्ट्री जैसी लगती है जिसे दक्षता, पैमाने और उत्पादकता बढ़ाने के लिए पुनः डिजाइन किया गया है बिना यह पूछे कि जो उत्पाद यह तैयार कर रही है उन्हें मूल रूप से अलग होना चाहिए या नहीं और क्या यह फैक्ट्री उन्हें बना सकती है या बनाना चाहिए। रिपोर्ट ने युवाओं से मौजूदा कौशल प्रणाली की समस्याओं पर बात की और ग्राहकों की बात सुनी लेकिन यह सवाल कि मौजूदा पेशकश में क्या सही या गलत लगता है, यह प्रश्न अभी भी उत्पाद केंद्रित है न कि उपभोक्ता केंद्रित। नए सिरे से परिकल्पित कौशल-विकास व्यवस्था का निर्माण काम की बदलती दुनिया को केंद्र में रखकर किया जाना चाहिए। मसलन आर्टिफिशल इंटेलिजेंस उद्योग की बेतहाशा वृद्धि के परिणामस्वरूप हजारों की संख्या में इलेक्ट्रीशियन और बढ़ई भर्ती किए जा रहे हैं।

जर्नल ऑफ द अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन में प्रकाशित एक हालिया लेख में यह अनुमान दिया गया कि 2030 तक स्वायत्त एआई मानव-सहायता प्राप्त देखभाल से आगे निकल सकता है और यह भी कि निर्णय-प्रक्रिया में मनुष्यों को बनाए रखना, एआई के प्रदर्शन में बाधा डाल सकता है। यहां तक कि समानुभूति के मामले में भी जिसे आमतौर पर मनुष्य का आखिरी मजबूत पक्ष माना जाता है। लेख के अनुसार चैटबॉट इसमें मनुष्यों से बेहतर प्रदर्शन करते हैं। भविष्य लगातार आकार ले रहा है। उसकी रूपरेखा का अनुमान लगाना कठिन है और कौशल की मांग की हर नई लहर का जीवनकाल भी संभवतः छोटा होने वाला है। इसलिए वास्तव में नए सिरे से कल्पना करने का अर्थ ऐसे मेटा सिस्टम की संरचना तैयार करना है जो लगातार हो रहे बदलावों को पहचान सके उन्हें समझ सके और उनके अनुरूप लगातार प्रतिक्रिया दे सके। रिपोर्ट की एक प्रमुख विशेषता यह है कि वह उद्योग नाम की चीज पर बहुत अधिक निर्भर करती है। यह उद्योग पाठ्यक्रमों को सह-डिजाइन करेगा, अप्रेंटिसशिप का स्वामित्व संभालेगा, प्लेसमेंट उपलब्ध कराएगा और इसी तरह की अन्य भूमिकाएं निभाएगा। लेकिन उद्योग को बड़े कारोबारी समूहों और संगठित क्षेत्र की उन कंपनियों के रूप में देखने की धारणा जो बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा करती हैं, अब अप्रासंगिक हो चुकी है। आज ऐसे उद्योग में कार्यबल का केवल एक बहुत छोटा हिस्सा ही रोजगार पाता है। यह मानकर चलना कि 2047 तक स्थिति उलट जाएगी जोखिम भरा हो सकता है। नए सिरे से कल्पना करने में यह सवाल शामिल है कि आज उद्योग क्या है और क्या वह वे सभी भूमिकाएं निभा सकता है जिनकी अपेक्षा यह रिपोर्ट उससे करती है? क्या छोटे और मझोले उपक्रम जो आज भारत में सबसे बड़े नियोक्ता हैं, वही उद्योग बन सकते हैं जो इन अपेक्षाओं को पूरा करे? इसकी संभावना कम है जब तक कि उन्हें इस भूमिका को निभाने में सक्षम और इच्छुक बनाने के लिए कुछ नए सिरे से कल्पना न की जाए। बैंकों को शिक्षा ऋण अधिक आसानी से और बड़े पैमाने पर उपलब्ध कराने के लिए कैसे तैयार किया जा सकता है इस पर नए सिरे से विचार करना बेहद उपयोगी होता। हां, आजीवन सीखने के लिए वाउचर भविष्य में मुफ्त खाद्यान्न की तरह एक नया सार्वभौमिक सहारा बन सकते हैं। कौशल-विकास संस्थाओं को उनके प्लेसमेंट के आधार पर वित्तपोषित करने की सिफारिश चिंताजनक है। वास्तव में लक्ष्य तो ऐसे उच्चस्तरीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थानों का निर्माण होना चाहिए जो बदलती दुनिया के लिए उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद यानी लोगों को तैयार करने, उन्हें प्रभावी ढंग से शिक्षा-प्रशिक्षण देने और अपनी व्यवस्था को लगातार बदलती जरूरतों के अनुरूप ढालने में सक्षम हों। रिपोर्ट जिस परिणामोन्मुखी व्यवस्था की वकालत करती है उसका अर्थ यह होना चाहिए कि संस्थानों को अनुदान ऐसे संस्थागत मानकों के आधार पर दिया जाए जो शिक्षा के लिए अधिक उपयुक्त हैं न कि प्लेसमेंट के आधार पर जो किसी बिक्री एजेंसी के लिए तो अधिक उपयुक्त हो सकता है और जिसमें हेराफेरी की आशंका भी रहती है। शिक्षा मंत्रालय पहले ही ऐसे गुणवत्ता मानकों पर काम कर चुका है। रिपोर्ट में अन्य देशों का भी संदर्भ दिया गया है लेकिन उनसे चुनिंदा चीजें ही ली गई हैं। अमेरिका में भी व्यावसायिक शिक्षा को लेकर विमर्श बदल रहा है। दिलचस्प बात यह है कि वहां स्नातक डिग्री हासिल कर चुके उन लोगों के लिए भी अनुदान उपलब्ध हैं, जो दोबारा प्रशिक्षण लेकर अपना कौशल बदलना चाहते हैं। भारत के लिए यह बेहद प्रासंगिक और आसानी से अपनाया जा सकने वाला उपाय है। इससे कौशल-विकास को मुख्य धारा में लाने का लक्ष्य भी हासिल हो सकता है और पारंपरिक कॉलेज शिक्षा तथा कौशल विकास के बीच मौजूद उस कथित पदानुक्रम या वर्ग-व्यवस्था को कमजोर किया जा सकता है, जिसका उल्लेख रिपोर्ट स्वयं करती है। यह पूरी दुनिया में एक आम समस्या है और जर्मनी दोनों व्यवस्थाओं के बीच अधिक समानता स्थापित करके इससे निपटने की कोशिश कर रहा है। शायद कौशल-विकास शब्द को ही नए सिरे से परिभाषित करने पर विचार करना चाहिए। अमेरिका और जर्मनी दोनों ही अपने-अपने संदर्भ में शिक्षा शब्द को शामिल करते हैं। क्रमशः करियर और तकनीकी शिक्षा तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण और शिक्षा। क्या कौशल शब्द में बहुत अधिक राजनीतिक पूंजी निवेश हो चुकी है? या फिर क्या कौशल विकास मंत्रालय को शिक्षा मंत्रालय से अलग अपनी स्वतंत्र पहचान बनाए रखनी चाहिए? आज हमारे पास कौशल विकास की मौजूदा व्यवस्था के इंजन की काफी हद तक अच्छी दोबारा इंजीनियरिंग और ट्यूनिंग हो चुकी है। अब हम उस वास्तविक नई परिकल्पना का इंतजार कर रहे हैं यानी मानव विकास के क्षेत्र में हमारे 1991 के क्षण का।

अजा एकादशी की महिमा पूजा विधि और कथा- पंडित संदीप ज्योतिषी

दैनिक रेवाँचल टाईम्स - भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी का नाम अजा एकादशी है धर्मराज युधिष्ठिर के पूछने पर भगवान श्री कृष्ण अजा एकादशी की महिमा बताते हुए कहते हैं कि यह एकादशी प्राणी के सभी पापों का नाश करने वाली है अजा एकादशी का व्रत हर साल भादो महीने में एकादशी तिथि को मनाया जाता है इस साल यह एकादशी 7 सितंबर 2026 को पढ़ रही है आध्यात्मिक दृष्टि से यह व्रत भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त करने का सशक्त माध्यम है मान्यता है कि यह व्रत मन को निर्मल बनाकर बुद्धि को स्थिर रखता है

अजा एकादशी की महिमा

धर्मराज युधिष्ठिर के पूछने पर भगवान श्री कृष्ण अजा एकादशी की महिमा बताते हुए कहते हैं कि यह एकादशी प्राणी के सभी पापों का नाश करने वाली है जो व्यक्ति भगवान ऋषिकेश का पूजन करके इस व्रत का भक्ति भाव से पालन करता है वह इस लोक में सुख भोगकर अंत में विष्णु लोक में जाता है इस व्रत का फल अश्वमेध यज्ञ कठिन तपस्या तीर्थ में दान स्नान आदि से मिलने वाले फलों से भी अधिक होता है

श्री हरि को प्रसन्न करने की विधि

श्री गणेश सूर्य अग्नि विष्णु शिव तथा पार्वती सब की पूजा और वंदना कर-के श्री हरि का स्मरण करते हुए व्रत करें भगवान विष्णु का मां लक्ष्मी के साथ चंदन अक्षत पीले पुष्प ऋतु फल तुलसी मंजरी धूप दीप से पूजन करें इस दिन विष्णु सहस्त्रनाम भगवत गीता का पाठ व विष्णु मंत्रों का जाप करने से श्री नारायण की विशेष कृपा प्राप्त होती है

अजा एकादशी की कथा

पूर्व काल में हरिश्चंद्र नाम के चक्रवर्ती राजा हुए जो समस्त भूमंडल के स्वामी तथा सत्य प्रतिज्ञ थे एक समय प्रभु इच्छा से उन्होंने अपना राज्य एक ऋषि को दान कर दिया परिस्थिति वश अपनी पत्नी और पुत्र को भी बेचना पड़ा स्वयं वह एक चांडाल के दास बन गए हुए मुर्दों का दफन किया करते थे इतने पर भी वे विचलित नहीं हुए जब इसी प्रकार कई वर्ष बीत गए तो उन्हें अपने इस नीच कर्म पर बड़ा दुख हुआ और वह इससे मुक्त होने का उपाय खोजने लगे एक बार गौतम ऋषि उनके पास आए हरिश्चंद्र ने उन्हें प्रणाम किया और अपनी दुख भरी कथा सुनाई राजा हरिश्चंद्र की बातें सुनकर महर्षि गौतम भी अत्यंत दुखी हुए और उन्होंने राजा से कहा हे राजन भादों के कृष्ण पक्ष की एकादशी का नाम अजा है तुम इस एकादशी का विधान पूर्वक व्रत तथा रात्रि में जागरण करो इससे तुम्हारे सभी कष्ट दूर हो जाएंगे महर्षि गौतम इतना कहकर चले गए अजा नाम की एकादशी आने पर राजा हरिश्चंद्र ने महर्षि के कहे अनुसार विधि विधान से व्रत का पालन किया इस व्रत के पूणय से राजा सभी दुखों से पार हो गए आकाश में दुनदुभिया बजने लगी एवं देवलोक से पुष्पों की वर्षा होने लगी उन्होंने अपने सामने ब्रह्मा विष्णु महेश आदि देवताओं को खड़ा पाया एवं अपने मृतक पुत्र को जीवित तथा अपनी पत्नी को राजश्री वस्त्र आभूषणों से परिपूर्ण देखा राजा को पुनः अपने राज्य की प्राप्ति हो गई वास्तव में एक ऋषि ने राजा की परीक्षा लेने के लिए यह सब कौतुक किया था परंतु अजा एकादशी के व्रत के प्रभाव से ऋषि द्वारा रची गई सारी माया समाप्त हो गई और अंत में हरिश्चंद्र अपने परिवार सहित विष्णु धाम को चले गए

राशिफल

मेष राशि :- मान प्रतिष्ठा बाल-बाल बचे, कार्य व्यवसाय गति उत्तम, स्त्री वर्ग से क्लेश अवश्य होगा।

वृष राशि :- धन प्राप्ति के योग बनेंगे, नवीन मैत्री-मंत्रणा प्राप्त होगी ध्यान अवश्य दें।

मिथुन राशि :- इष्ट मित्र सहायक होंगे, व्यवसायिक क्षमता में वृद्धि होगी तथा कार्य बनेंगे।

कर्क राशि :- सामाजिक कार्य में प्रतिष्ठा, कार्य कुशलता से संतोष तथा रुके कार्य बनेंगे।

सिंह राशि :- सोचे कार्य परिश्रम से समय पर पूर्ण होंगे, व्यवसाय गति उत्तम होगी।

कन्या राशि :- अधिकारियों का समर्थन फलप्रद रहेगा, कार्य कुशलता से संतोष होगा।

तुला राशि :- दैनिक व्यवसायिक गति उत्तम तथा व्यवसायिक चिन्ता कम होगी, समय का ध्यान रखें।

वृश्चिक राशि :- कार्यवृत्ति में सुधार होगा, असमंजस तथा सफलता के कार्य अवश्य होंगे।

धनु राशि :- स्थिति अनियंत्रित रहेगी, समय स्थिति को ध्यान में रखकर कार्य अवश्य करें।

मकर राशि:- मानसिक खिन्नता से स्वाभाव में उद्विघ्नता बनेगी, विचारे कार्यों को धैर्य पूर्वक निपटायें।

कुंभ राशि :- योजना फलीभूत होगी, विघटनकारी तत्व परेशान करेंगे, समय से कार्य करें।

मीन राशि :- मनोबल उत्साहवर्धक होगा, कार्य कुशलता से संतोष तथा लाभ अवश्य ही होगा।

पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने के लिए सद्गुरु ने बताए आसान उपाय, इन फलों-सब्जियों को भोजन में करें शामिल

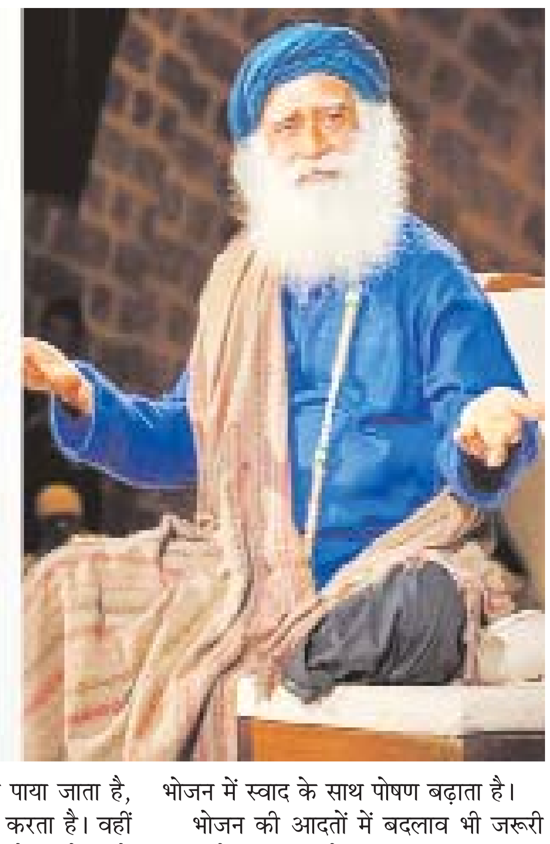

नई दिल्ली। आध्यात्मिक गुरु सद्गुरु जग्गी वासुदेव अक्सर स्वस्थ जीवनशैली और बेहतर खानपान को लेकर लोगों को जागरूक करते हैं। उनके अनुसार शरीर की ऊर्जा और मानसिक एकाग्रता को बनाए रखने में पाचन तंत्र की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यदि पाचन तंत्र स्वस्थ रहता है तो शरीर में स्फूर्ति बनी रहती है और रोजमर्रा के काम करने में भी आसानी होती है। आज के समय में अनियमित खानपान, कम शारीरिक गतिविधि और गलत जीवनशैली के कारण बड़ी संख्या में लोग पाचन संबंधी परेशानियों से जूझ रहे हैं। ऐसे में सद्गुरु ने प्राकृतिक और आसानी से पचने वाले खाद्य पदार्थों को भोजन में शामिल करने पर जोर दिया है। सफेद पेठाः सद्गुरु के अनुसार सफेद पेठा हल्का और आसानी से पचने वाला खाद्य पदार्थ है। इसके सेवन को पाचन तंत्र के लिए लाभकारी माना जाता है। हालांकि किसी भी खाद्य पदार्थ या उसके रस का सेवन अपनी व्यक्तिगत स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार ही करना चाहिए। पपीता और केलाः पपीते में पपेन नामक एंजाइम पाया जाता है, जो प्रोटीन के पाचन में मदद करता है। वहीं पका हुआ केला भी आसानी से पचने वाले फलों में शामिल है। इसमें फाइबर होता है, जो आंतों के सामान्य कामकाज में मदद कर सकता है। लौकी, तोरी और खीराः पानी की अधिक मात्रा वाली सब्जियां शरीर में जल की पर्याप्त मात्रा बनाए रखने में मदद करती हैं। लौकी और तोरी जैसे हल्के खाद्य पदार्थ भोजन का हिस्सा बनाए जा सकते हैं। इनका सेवन विशेष रूप से हल्के भोजन के रूप में किया जा सकता है।

हरी पत्तेदार सब्जियांः पालक, मेथी और अन्य हरी पत्तेदार सब्जियों में फाइबर, विटामिन और खनिज पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं। संतुलित मात्रा में इनका सेवन पाचन तंत्र के सामान्य स्वास्थ्य के लिए उपयोगी माना जाता है।

आंवला और नींबूः आंवला विटामिन सी और अन्य पोषक तत्वों का अच्छा स्रोत है। नींबू भी विटामिन सी प्रदान करता है और भोजन में स्वाद के साथ पोषण बढ़ाता है।

भोजन की आदतों में बदलाव भी जरूरी सद्गुरु के अनुसार केवल कुछ खास खाद्य पदार्थों को भोजन में शामिल करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि खानपान की पूरी दिनचर्या पर ध्यान देना भी जरूरी है। भोजन को अच्छी तरह चबाकर खाने से पाचन प्रक्रिया की शुरूआत मुंह से ही होती है। इसलिए जल्दबाजी में भोजन निगलने के बजाय उसे अच्छी तरह चबाकर खाना चाहिए। रात का भोजन हल्का रखने और सोने से कुछ घंटे पहले भोजन करने की सलाह भी दी जाती है। इसके अलावा पर्याप्त शारीरिक गतिविधि, संतुलित आहार और पर्याप्त नींद भी स्वस्थ पाचन तंत्र के लिए महत्वपूर्ण हैं। हालांकि, हर व्यक्ति की पाचन क्षमता और स्वास्थ्य स्थिति अलग होती है। किसी विशेष बीमारी, लगातार पेट की समस्या या भोजन से जुड़ी परेशानी होने पर केवल इंटरनेट या किसी व्यक्ति की सलाह पर निर्भर रहने के बजाय चिकित्सक से परामर्श लेना उचित है।

गैस और ब्लोटिंग से राहत के लिए अपनाएं ये 5 घरेलू उपाय, खान-पान की इन आदतों में भी करें बदलाव

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में अनियमित दिनचर्या, देर रात तक जागना, लगातार तनाव, शारीरिक गतिविधियों की कमी और अत्यधिक मसालेदार या प्रसंस्कृत भोजन का सेवन पाचन तंत्र पर सीधा असर डाल रहा है। यही वजह है कि बड़ी संख्या में लोग पेट में गैस, ब्लोटिंग, एसिडिटी, अपच और भारीपन जैसी परेशानियों से जूझ रहे हैं। कई बार भोजन करने के बाद पेट फूलने लगता है और गैस के कारण बेचैनी महसूस होती है। ऐसी स्थिति में लोग तत्काल राहत के लिए दवाओं का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन हल्की और सामान्य पाचन संबंधी परेशानी में कुछ घरेलू उपाय भी राहत देने में मदद कर सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने के लिए केवल किसी एक घरेलू उपाय पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। भोजन का समय, भोजन की मात्रा, पानी पीने की आदत, शारीरिक गतिविधि और नींद का भी पाचन पर सीधा प्रभाव पड़ता है। चिकित्सक डॉ. शुभम वत्स के बताए उपायों के अनुसार, रसोई में आसानी से उपलब्ध कुछ चीजों का सीमित मात्रा में इस्तेमाल गैस और पेट फूलने की समस्या में मददगार हो सकता है। अजवाइन और काला नमकः गैस और पेट फूलने की समस्या में अजवाइन का इस्तेमाल लंबे समय से घरेलू उपाय के रूप में किया जाता रहा है। अजवाइन में थाइमोल नामक प्राकृतिक यौगिक पाया जाता है, जो पाचन प्रक्रिया को सक्रिय करने में मदद कर सकता है। इसके लिए आधा चम्मच अजवाइन में एक चुटकी काला नमक मिलाकर गुनगुने पानी के साथ लिया जा सकता है। इससे पाचन बेहतर होने और पेट में जमा गैस को बाहर निकालने में मदद मिल सकती है। हालांकि, बहुत अधिक मात्रा में अजवाइन का सेवन नहीं करना चाहिए। सौंफ भी हो सकती है उपयोगीः भोजन के बाद सौंफ चबाने की परंपरा भारतीय घरों में लंबे समय से चली आ रही है। सौंफ में मौजूद प्राकृतिक तेल पाचन तंत्र की मांसपेशियों को आराम देने में मदद कर सकते हैं। इससे पेट में गैस, ऐंठन और भारीपन जैसी समस्या कम हो सकती है। भोजन के बाद थोड़ी मात्रा में सौंफ चबाई जा सकती है। इसके अलावा सौंफ को पानी में उबालकर हल्की चाय के रूप में भी लिया जा सकता है। अदरक से पाचन को मिल सकता है सहाराः अदरक में जिंजेरॉल सहित कई प्राकृतिक यौगिक पाए जाते हैं। यह पाचन तंत्र की सामान्य गतिविधियों को बेहतर करने और सूजन जैसी समस्या को कम करने में मदद कर सकता है। भोजन के बाद अदरक का बहुत छोटा टुकड़ा चबाना या अदरक की हल्की चाय पीना एक विकल्प हो सकता है। हालांकि, जिन लोगों को अदरक से जलन या एसिडिटी बढ़ने की शिकायत होती है, उन्हें इसका सेवन सावधानी से करना चाहिए। हींग का पानी भी पारंपरिक उपायः पेट में गैस और ऐंठन की समस्या के लिए हींग का इस्तेमाल भी घरेलू तौर पर किया जाता है। एक गिलास गुनगुने पानी में बहुत थोड़ी मात्रा में हींग मिलाकर लेने की सलाह दी जाती है। यह पेट की ऐंठन और गैस से होने वाली असहजता में कुछ लोगों को राहत दे सकता है। छोटे बच्चों पर किसी भी घरेलू नुस्खे का इस्तेमाल चिकित्सक की सलाह के बिना नहीं करना चाहिए। विशेष रूप से नाभि के आसपास हींग लगाने जैसे घरेलू उपायों के प्रभाव के पर्याप्त वैज्ञानिक प्रमाण नहीं हैं। पुदीना दूर कर सकता है पेट का भारीपनः पुदीने का सेवन भी पाचन संबंधी परेशानी में किया जाता है। इसमें मौजूद प्राकृतिक तत्व आंतों की मांसपेशियों को आराम देने में मदद कर सकते हैं। 5-6 पुदीने की पत्तियों को पानी में उबालकर हल्की चाय बनाई जा सकती है। इसे छाछ के साथ भी लिया जा सकता है। हालांकि, जिन लोगों को बार-बार सीने में जलन या अम्लता की समस्या रहती है, उन्हें पुदीने का सेवन करने से पहले अपनी समस्या के अनुसार सावधानी बरतनी चाहिए। केवल घरेलू उपाय नहीं, जीवनशैली में बदलाव भी जरूरी गैस और ब्लोटिंग की समस्या से लंबे समय तक बचने के लिए खान-पान और दिनचर्या में सुधार करना भी जरूरी है।

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- सिवनी में दृष्टिबाधित बच्चों की शिक्षा के क्षेत्र में एक नई शुरूआत हुई है। आशादीप विशेष विद्यालय में बेंगलुरु के स्टार्टअप थिंकरबेल लैब्स द्वारा विकसित सेल्फ-लर्निंग ब्रेल डिवाइस ह्यएनीह्न पर आधारित अत्याधुनिक ह्यज्ञानदीप स्मार्ट लैबह्न का शुभारंभ विधायक श्री दिनेश राय एवं कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना की उपस्थिति में हुआ। अतिथियों ने फीता काटकर लैब का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अंजली शाह भी उपस्थित रहीं।

आशादीप विशेष विद्यालय में 'एनी' आधारित ज्ञानदीप स्मार्ट लैब का शुभारंभ

ज्ञानदीप से नई रोशनी, दृष्टिबाधित बच्चों को तकनीक का सहारा

ब्रेल पढ़ना, लिखना और टाइप करना सीखेंगे बच्चे

ज्ञानदीप स्मार्ट लैब की स्थापना से आशादीप विशेष विद्यालय के दृष्टिबाधित बच्चे पारंपरिक तरीकों के साथ आधुनिक तकनीक की मदद से ब्रेल पढ़ना, लिखना और टाइप करना सीख सकेंगे। ह्यएनीह्न को इस तरह डिजाइन किया गया है कि बच्चे शिक्षक की लगातार सहायता के बिना भी अपनी गति से ब्रेल सीखने और अभ्यास करने में सक्षम हो सकें।

डेढ़ सौ साल पुरानी प्रक्रिया को तकनीक का साथ

ब्रेल सीखने की पारंपरिक प्रक्रिया में बच्चों को स्लेट-स्टाइलस के माध्यम से अक्षरों और शब्दों का अभ्यास करना पड़ता है तथा प्रशिक्षित शिक्षक का मार्गदर्शन आवश्यक होता है। ह्यएनीह्न इस प्रक्रिया को सेल्फ-लर्निंग और इंटरैक्टिव तरीके से आसान बनाती है। इसे ब्रेल लिटरेसी के लिए हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर और कंटेंट आधारित थ्री-लेयर सॉल्यूशन के रूप में विकसित किया गया है।

एक ही डिवाइस में कई सुविधाएं

एनी डिवाइस में टैक्टाइल डिस्प्ले, टाइपराइटर की-बोर्ड और डिजिटल स्लेट की सुविधा है। छह-सेल ब्रेल डिस्प्ले से बच्चे स्पर्श के माध्यम से ब्रेल अक्षरों को पढ़ने का अभ्यास कर सकते हैं। डिजिटल ब्रेल स्लेट पर स्टाइलस से लिखना और की-बोर्ड से ब्रेल टाइपिंग का अभ्यास किया जा सकता है। डिवाइस वाई-फाई इनेबल्ड है और इसमें हीलियस एनालिटिक्स की सुविधा है, जिससे शिक्षक बच्चों की लर्निंग प्रोग्रेस, स्पीड, अभ्यास और गलतियों को मॉनिटर कर सकते हैं।

आठ भाषाओं में उपलब्ध

एनीह्न हिंदी, अंग्रेजी, मराठी, कन्नड़, तेलुगु, मलयालम, गुजराती और बंगाली सहित आठ भाषाओं में उपलब्ध है। इसमें ग्रेड-1 के साथ ग्रेड-2 ब्रेल सीखने की सुविधा भी है। ऑडियो-गाइडेड, गेमिफाइड और इंटरैक्टिव कंटेंट के माध्यम से बच्चे गेम, एक्टिविटी, प्रैक्टिस और टेस्ट के जरिए ब्रेल सीख सकते हैं।

टाइम मैगजीन ने किया सम्मानित

एनी डिवाइस को वर्ष 2022 में टाइम मैगजीन के ह्यबेस्ट इन्वेंशंस ऑफ द ईयरह्न में शामिल किया गया। इसके अलावा इसे नेशनल स्टार्टअप अवार्ड-2021, एमआईटी सॉल्व विनर-2022 तथा जीएसआर फाउंडेशन प्राइज जैसे सम्मान मिले हैं। यूएनडीपी ने भी इसे मॉडल इंटरवेंशन के रूप में मान्यता दी है।

देश-विदेश में हो रहा उपयोग

झारखंड, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में एनी के माध्यम से दृष्टिबाधित बच्चों को ब्रेल लिटरेसी की सुविधा मिल रही है। देश में 100 से अधिक केंद्रों पर 500 से अधिक डिवाइस के माध्यम से विद्यार्थी इसका लाभ ले रहे हैं। अमेरिका में इसे ह्यपॉलीह्न नाम से जाना जाता है और वहां भी इसका उपयोग किया जा रहा है।

विधायक-कलेक्टर ने बच्चों के साथ समझी कार्यप्रणाली

लैब के शुभारंभ के बाद विधायक दिनेश राय एवं कलेक्टर नेहा मीना ने एनी डिवाइस की कार्यप्रणाली को करीब से समझा। उन्होंने बच्चों को डिवाइस के माध्यम से अंक एवं शब्दों का ज्ञान प्राप्त करते देखा और बच्चों से उनके अनुभव की जानकारी लेकर उनका उत्साहवर्धन किया। विधायक दिनेश राय ने कहा कि आधुनिक तकनीक को विशेष शिक्षा से जोड़ना समावेशी शिक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने विद्यालय में बेहतर शैक्षणिक वातावरण एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने में सहयोग का आश्वासन दिया। कलेक्टर नेहा मीना ने कहा कि एनी डिवाइस से बच्चों को आधुनिक तकनीक आधारित शिक्षा का नया अवसर मिला है और यह उन्हें अपनी गति से सीखने तथा आत्मनिर्भर बनने में मदद करेगी।

बच्चों ने प्रस्तुत किए भजन-गीत, साथ बैठकर किया भोजन

कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीकृष्ण एवं मां सरस्वती की पूजा-अर्चना के साथ हुआ। इसके बाद विशेष विद्यालय के बच्चों ने भजन एवं गीतों की प्रस्तुतियां दीं। अतिथियों ने तालियों के साथ बच्चों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर विधायक एवं कलेक्टर ने विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया। इसके बाद उन्होंने बच्चों के साथ बैठकर भोजन किया और उनसे आत्मीय संवाद किया। अतिथियों को अपने बीच पाकर बच्चे भी उत्साहित नजर आए। विभिन्न दानदाताओं की सहभागिता से स्थापित ह्यज्ञानदीप स्मार्ट लैबह्न आशादीप विशेष विद्यालय के दृष्टिबाधित बच्चों के लिए आधुनिक ब्रेल शिक्षा का नया माध्यम बनेगी। सेल्फ-लर्निंग, ऑडियो गाइडेंस और इंटरैक्टिव तकनीक को ब्रेल लर्निंग से जोड़ने वाली यह पहल बच्चों को बेहतर सीखने के अवसर देने और उन्हें अधिक आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में एसडीएम श्रीमती पूर्वी तिवारी सहित संबंधित विभागीय अधिकारी, विद्यालय के शिक्षक, प्रबंधन एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

गमाटी गणेश-सिद्ध गणेशः पर्यावरण संरक्षण की अनूठी पहल

केवलारी। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, नवांकुर संस्था के संयुक्त तत्वावधान में शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, केवलारी में ह्लमाटी गणेशझ्रसिद्ध गणेशह्व गणेश प्रतिमा निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, माटी के गणेश निर्माण को बढ़ावा देना तथा भारतीय संस्कृति एवं परंपरा को पर्यावरण के साथ जोड़ना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. संजय मिश्रा (प्राध्यापक, महाविद्यालय केवलारी), प्रशिक्षक श्री मनोज ठाकुर (मूर्तिकार) तथा विशिष्ट अतिथि श्री अशोक बंदेवार (जिला सह मीडिया प्रभारी, भाजपा) उपस्थित रहे।

माटी गणेश को लेकर अशोक बेन्द्रे ने दिया संदेश- विकासखंड समन्वयक श्री अशोक बेन्द्रे (मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद) ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में कहा कि ह्लघर-घर गणेश, हर घर गणेश–विराजें माटी गणेश।ह्व ह्लमाटी गणेश केवल गणेश प्रतिमा बनाने की पहल नहीं, बल्कि हमारी आस्था, संस्कृति और पर्यावरण संरक्षण को एक साथ जोड़ने का संकल्प है। हम सभी अपने घरों में माटी के गणेश स्थापित करें और पर्यावरण को सुरक्षित रखने में अपनी सहभागिता निभाएं।ह्व उन्होंने कहा कि माटी से बने गणेश विसर्जन के बाद प्रकृति में सहज रूप से समाहित हो जाते हैं, इसलिए इस पहल को जन-जन तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है।

अतिथियों ने भी रखे विचार

मुख्य अतिथि डॉ. संजय मिश्रा ने कहा कि- ह्लमाटी का गणेश–आस्था भी, संस्कृति भी और पर्यावरण संरक्षण भी।ह्व ह्लभारतीय संस्कृति सदैव प्रकृति के सम्मान का संदेश देती रही है। माटी गणेश की पहल हमारी परंपरा को जीवित रखते हुए पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा करने का सुंदर माध्यम है। विशिष्ट अतिथि श्री अशोक बंदेवार ने कहा कि ह्लमाटी से बने गणेश अपनाएं, पर्यावरण को सुरक्षित बनाएं।ह्व ह्लगणेश उत्सव हमारी आस्था और उत्साह का पर्व है। यदि इसी आस्था के साथ हम माटी की प्रतिमा अपनाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दें, तो यह पर्व समाज के लिए और अधिक सार्थक बन सकता है। प्रशिक्षक श्री मनोज ठाकुर ने प्रतिभागियों को माटी से गणेश प्रतिमा निर्माण की व्यावहारिक जानकारी एवं मूर्तिकला का प्रशिक्षण दिया। इरह एवं टरह के छात्र-छात्राओं सहित उपस्थित प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यक्रम में राजिक मंसूरी, शनि परते, अरविन्द बिसेन, कमल साहू एवं साबरा खान सहित विभिन्न नवांकुर संस्थाओं के प्रमुख एवं पदाधिकारी, उटउछञ्ढ परामर्शदाता बालकराम डहेरिया, राधेश्याम बंदेवार, मोतीराम हरदुआ, रामकृष्ण डेहरिया एवं कलावती ठाकुर, प्रस्फुटन समिति पदाधिकारी, नवांकुर सखी, इरह एवं टरह छात्र-छात्राएं तथा उट इंटर्न निशा बिसेन की सहभागिता रही।

सिवनी में पशु आवास ढहा, मलबे में दबे मवेशी

सिवनी। सिवनी जिले के लखनादौन विकासखंड के ग्राम डाला में शनिवार देर रात बारिश के दौरान एक कच्चा पशु आवास अचानक ढह गया। इस हादसे में मकान के अंदर बंधे करीब 6-7 मवेशी घायल हो गए। आसपास के लोगों ने मौके पर पहुंचकर मलबे में दबे मवेशियों को बाहर निकाला। पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों और पुलिस को घटना की जानकारी दी। ग्राम डाला निवासी पशुपालक अघन विश्वकर्मा ने अपने घर से लगे हिस्से में मवेशियों के लिए एक कच्चा मकान बनाया था। शनिवार देर रात यह मकान अचानक कमजोर होकर ढह गया। मकान के अंदर मवेशी बंधे हुए थे, जिससे कई मवेशी मलबे की चपेट में आकर घायल हो गए। घटना के बाद ग्रामीणों ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया और मलबा हटाकर मवेशियों को बाहर निकाला। घटना की सूचना मिलने पर पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों को जानकारी दी गई।

50 लाख की ठगी, फर्जी IAS निकली तृप्ति सिंह

एमपी टूरिज्म में होटल लीज का झांसा देकर सिवनी के गगन उपवंशी से रकम लेने का आरोप

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- मध्यप्रदेश टूरिज्म में होटल लीज दिलाने का झांसा देकर सिवनी निवासी गगन उपवंशी से करीब 50 लाख रुपये ठगे जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि जबलपुर निवासी तृप्ति सिंह ने खुद को ट्रेनी IAS अधिकारी और मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग में एडिशनल डायरेक्टर बताकर गगन का विश्वास जीता। इस मामले में उसके भाई सुधांशु सिंह और प्रखर की भूमिका भी शिकायत में बताई गई है।

अधिकारी बताकर जीता भरोसा

गगन उपवंशी के अनुसार उसकी पहचान तृप्ति सिंह, उसके भाई सुधांशु सिंह और प्रखर से हुई थी। आरोपियों ने खुद को प्रभावशाली अधिकारी बताते हुए मध्यप्रदेश टूरिज्म में होटल लीज पर दिलाने का भरोसा दिया। तृप्ति ने स्वयं को ट्रेनी कअर और

एमपीटी में एडिशनल डायरेक्टर बताया, जिसके बाद होटल लीज की प्रक्रिया कराने के नाम पर करीब 50 लाख रुपये लिए गए।

50 लाख देने से पहले कैसे बना इतना भरोसा?

मामले में अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि कोई व्यक्ति केवल अधिकारी होने का दावा सुनकर इतनी बड़ी रकम कैसे दे सकता है। पुलिस को यह जांचना चाहिए कि पीड़ित का भरोसा जीतने के लिए आरोपियों ने कौन-कौन से तरीके अपनाए। क्या कोई सरकारी दस्तावेज, पहचान-पत्र, पत्राचार या अन्य प्रमाण दिखाया गया था? क्या पीड़ित को किसी कार्यालय में ले जाया गया था?

क्या सरकारी कार्यालय को बताया अपना ऑफिस?

पुलिस को यह भी जांचना चाहिए कि कहीं तृप्ति ने किसी सरकारी कार्यालय में अपनी बैठने की जगह, टेबल या कक्ष को अपना कार्यालय बताकर पीड़ित का भरोसा तो नहीं जीता। यदि ऐसा हुआ हो तो संबंधित कार्यालय के सीसीटीवी फुटेज, प्रवेश रजिस्टर और कर्मचारियों से पूछताछ अहम हो सकती है।

लीज प्रक्रिया पर भी उठे सवाल

मामले ने यह सवाल भी खड़ा किया है कि आखिर पर्यटन विभाग की सरकारी संपत्ति की लीज दिलाने के नाम पर इतनी बड़ी रकम देने की स्थिति कैसे बनी। पुलिस को यह पता लगाना चाहिए कि आरोपियों को होटल लीज प्रक्रिया की जानकारी कहां से मिली और क्या किसी अन्य व्यक्ति ने उन्हें विभागीय जानकारी या संपर्क उपलब्ध कराया था।

पीड़ित की भूमिका भी जांच का विषय

पुलिस को यह पहलू भी जांचना चाहिए कि गगन ने 50 लाख रुपये किस उद्देश्य से दिए थे। यदि सरकारी संपत्ति को निर्धारित प्रक्रिया के बजाय किसी कथित प्रभाव या पहुंच के माध्यम से हासिल करने का प्रयास किया गया था, तो उस पहलू की भी जांच जरूरी है। हालांकि पीड़ित की भूमिका दोषी है या नहीं, यह उपलब्ध साक्ष्यों और पुलिस जांच से ही तय होगा।

क्या बड़ा नेटवर्क सक्रिय है?

जांच का दायरा केवल फर्जी पहचान तक सीमित न रहकर यह भी पता लगाने तक होना चाहिए कि तृप्ति सिंह ने इससे पहले कितने लोगों को अधिकारी बनकर प्रभावित किया और क्या अन्य लोगों से भी सरकारी संपत्तियों की लीज या काम कराने के नाम पर रकम ली गई। गगन उपवंशी ने बागसेवनिया थाने में शिकायत देकर मामले की जांच और कार्रवाई की मांग की है। अब पुलिस जांच में यह स्पष्ट होना बाकी है कि 50 लाख रुपये की कथित ठगी के पीछे केवल फर्जी अधिकारी की पहचान थी या इसके पीछे कोई बड़ा नेटवर्क भी काम कर रहा था।

जन्माष्टमी पर घर-घर रही कृष्ण जन्म की धूम, नन्हें बच्चों ने मोहा मन

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर घर-घर भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव की धूम रही। श्रद्धालुओं ने अपने घरों में आकर्षक झांकियां सजाईं, जिनमें नन्हें बच्चों ने कृष्ण, राधा और सुदामा का रूप धारण कर उत्सव को और भी मनमोहक बना दिया।

कृष्ण-राधा के रूप में सजे बच्चे

घर-घर सजी झांकियों में बच्चों का कृष्ण और राधा के रूप में सजना आकर्षण का केंद्र रहा। नन्हें बाल गोपाल जब मुकुट, बांसुरी और पारंपरिक वेशभूषा में नजर आए तो लोगों ने उनके साथ तस्वीरें भी लीं।

कृष्ण-सुदामा मिलन ने छू लिया दिल

एक झांकी में कृष्ण-सुदामा मिलन का भावपूर्ण दृश्य प्रस्तुत किया गया। इसमें भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अपने बाल सखा सुदामा के पैर पखारने का दृश्य लोगों को बेहद भावुक कर गया। बच्चों ने इस प्रसंग को

अपनी मासूम अदाओं और भाव-भंगिमाओं से जीवंत कर दिया।

नन्हें कृष्ण-सुदामा बने आकर्षण

नन्हें बच्चों द्वारा कृष्ण और सुदामा का रूप धारण कर प्रस्तुत किए गए दृश्यों ने जन्माष्टमी की खुशियों को दोगुना कर दिया। घरों में सजाई गई रंग-बिरंगी झांकियों और बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। देर रात तक भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों से घर-आंगन गूंजते रहे।

टीईटी की अनिवार्यता समाप्त करने की मांग को लेकर अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा ने मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा, मध्य प्रदेश ने प्रदेश के हजारों सेवारत शिक्षकों के हित में शिक्षक पात्रता परीक्षा टीईटी की अनिवार्यता समाप्त करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा है। मोर्चा ने तमिलनाडु विधानसभा की तर्ज पर मध्य प्रदेश विधानसभा का विशेष सत्र आहूत कर सेवारत शिक्षकों के पक्ष में सर्वसम्मत संकल्प पारित करते हुए केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजने की मांग की है। मोर्चा के प्रांतीय संयोजक परमानंद डेहरिया ने ज्ञापन के माध्यम से कहा कि प्रदेश में वर्षों से पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ शिक्षण कार्य कर रहे हजारों शिक्षक वर्तमान में टीईटी की अनिवार्यता को लेकर असमंजस और मानसिक तनाव की स्थिति में हैं। इन शिक्षकों की नियुक्ति उस समय प्रचलित नियमों एवं निर्धारित शैक्षणिक योग्यताओं के आधार पर हुई थी और वे लंबे समय से सफलतापूर्वक अपनी सेवाएं दे रहे हैं। मोर्चा ने कहा कि 23 अगस्त 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से स्थायी छूट दिलाने के लिए तमिलनाडु विधानसभा द्वारा केंद्र सरकार को भेजे गए प्रस्ताव की तर्ज पर मध्य प्रदेश सरकार को भी प्रभावी पहल करनी चाहिए। राज्य सरकार द्वारा विधानसभा में संकल्प पारित कर केंद्र सरकार से आरटीई अधिनियम, 2009 में आवश्यक संशोधन की अनुशंसा की जा सकती है।

मोर्चा की प्रमुख मांगें

1. मध्य प्रदेश विधानसभा का विशेष सत्र आहूत कर सेवारत शिक्षकों के हित में सर्वसम्मत संकल्प पारित किया जाए।
2. 23 अगस्त 2010 से पूर्व नियुक्त समस्त शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से स्थायी छूट दिलाने हेतु केंद्र सरकार से औपचारिक अनुरोध किया जाए।
3. केंद्र सरकार को आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 23 एवं संबंधित नियमों में आवश्यक संशोधन किए जाने का प्रस्ताव भेजा जाए।
4. केंद्र स्तर पर अंतिम निर्णय होने तक राज्य सरकार द्वारा सेवारत शिक्षकों की सेवा सुरक्षा एवं हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं।

मोर्चा के विपनेश जैन ने कहा कि वर्षों से शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे अनुभवी शिक्षकों की सेवाओं और सम्मान को ध्यान में रखते हुए सरकार को संवेदनशील एवं सकारात्मक निर्णय लेना चाहिए। अपनी मांगों के समर्थन में सैकड़ों शिक्षकों ने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन सौंपने वाले प्रमुख शिक्षक प्रतिनिधियों में विपनेश जैन, ब्रजमोहन सनोडिया, गजेन्द्र बघेल, राजेश तिवारी, मुकेश बघेल, अविनाश पाठक, संतोष सूर्यवंशी, रामकृष्ण दुबे, आशीष बघेल, चिंतामन रहाँगद्दाले, संतोष राय, मुकेश नेमा, विनोद दहेरीया, प्रेमलता शुक्ला, अनामिका बघेल, आरती पांडे एवं समसुन्न निशा शामिल रहे। अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा ने विश्वास व्यक्त किया कि मध्य प्रदेश सरकार प्रदेश के हजारों सेवारत शिक्षकों की भावनाओं और हितों को ध्यान में रखते हुए विधानसभा के माध्यम से प्रभावी पहल करेगी तथा केंद्र सरकार के समक्ष आरटीई से स्थायी छूट का प्रस्ताव मजबूती से रखेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव दुबई में निवेशकों के सामने रखेंगे मध्यप्रदेश की विकास और निवेश संभावनाएं

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार से 9 सितंबर 2026 तक संयुक्त अरब अमीरात के दुबई प्रवास पर रहेंगे। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल एआईएम कांग्रेस-2026 में भाग लेगा। मुख्यमंत्री की इस यात्रा को मध्यप्रदेश के लिए वैश्विक निवेश के क्षेत्र में नए अवसर तलाशने और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के साथ आर्थिक संबंध मजबूत करने की महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री वैश्विक उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के समक्ष मध्यप्रदेश की आर्थिक एवं औद्योगिक क्षमताओं, निवेश की संभावनाओं और राज्य में उपलब्ध सुविधाओं को विस्तार से प्रस्तुत करेंगे। साथ ही नई औद्योगिक साझेदारियों को बढ़ावा देने और प्रदेश में निवेश आकर्षित करने पर विशेष जोर रहेगा। दुबई के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में आयोजित एआईएम कांग्रेस-2026 में मुख्यमंत्री डॉ. यादव मध्यप्रदेश की निवेश क्षमता, औद्योगिक आधार और विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध निवेश अवसरों को वैश्विक उद्योग जगत के सामने रखेंगे। यात्रा के दौरान ह्यइन्वेस्ट मध्यप्रदेशह्ल विषय पर विशेष सत्र भी प्रस्तावित है। इस सत्र में मुख्यमंत्री राज्य के निवेश-अनुकूल वातावरण, औद्योगिक विकास की संभावनाओं और निवेशकों के लिए उपलब्ध अवसरों की जानकारी देंगे। इसके माध्यम से वैश्विक कंपनियों और निवेश समूहों को मध्यप्रदेश में उद्योग स्थापित करने तथा विभिन्न क्षेत्रों में निवेश के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश भारत के तेजी से उभरते औद्योगिक और निवेश गंतव्यों में अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। राज्य में उपलब्ध संसाधन, बेहतर आधारभूत संरचना, उद्योग-अनुकूल वातावरण और निवेशकों के लिए विकसित सुविधाएं प्रदेश को निवेश के लिए आकर्षक बनाती हैं। सरकार का प्रयास है कि वैश्विक निवेशकों के साथ मजबूत और दीर्घकालिक साझेदारी स्थापित की जाए, जिससे प्रदेश के औद्योगिक विकास को नई गति मिले। उन्होंने कहा कि निवेश के माध्यम से केवल पूंजी का प्रवाह बढ़ाना ही उद्देश्य नहीं है, बल्कि उद्योगों के विस्तार के साथ रोजगार के नए अवसर पैदा करना और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करना भी सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुबई यात्रा मध्यप्रदेश और संयुक्त अरब अमीरात के बीच आर्थिक एवं औद्योगिक सहयोग को और अधिक मजबूत करने का अवसर प्रदान करेगी। यात्रा के दौरान वैश्विक निवेशकों और उद्योग समूहों के साथ होने वाली बैठकों में प्रदेश में निवेश की नई संभावनाओं पर चर्चा की जाएगी। इन बैठकों में अलग-अलग क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों, औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार और दीर्घकालीन आर्थिक साझेदारी से जुड़े विषयों को सामने रखा जाएगा। मुख्यमंत्री की ओर से निवेशकों को मध्यप्रदेश में उपलब्ध संसाधनों और निवेश-अनुकूल वातावरण की जानकारी देकर प्रदेश में नई औद्योगिक परियोजनाओं की संभावनाओं को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा। दुबई यात्रा का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य जनवरी 2027 में भोपाल में प्रस्तावित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2027 के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संपर्क और सहभागिता बढ़ाना भी है। यात्रा के दौरान संयुक्त अरब अमीरात सरकार को ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2027 में पार्टनर कंट्री के रूप में आमंत्रित करने के प्रयास किए जाएंगे। मुख्यमंत्री विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों और निवेशकों से मुलाकात कर उन्हें भोपाल में होने वाले समिट में सहभागिता के लिए आमंत्रित करेंगे। इससे मध्यप्रदेश को अंतरराष्ट्रीय निवेश मंच पर अधिक प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने और वैश्विक उद्योग समूहों को प्रदेश से जोड़ने में मदद मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव एआईएम कांग्रेस के उद्घाटन समारोह, वैश्विक नेतृत्व से जुड़े कार्यक्रमों तथा विभिन्न निवेश और व्यावसायिक बैठकों में सहभागिता करेंगे। वे मध्यप्रदेश मंडप का अवलोकन भी करेंगे और वैश्विक कॉर्पोरेट समूहों के प्रतिनिधियों के साथ वन-टू-वन बैठकें करेंगे। इन बैठकों में मध्यप्रदेश में निवेश की संभावनाओं, उद्योगों के लिए उपलब्ध सुविधाओं और राज्य में नए व्यावसायिक अवसरों पर चर्चा होगी। इसके साथ ही सरकारी एवं व्यावसायिक स्तर की बैठकों में मध्यप्रदेश और संयुक्त अरब अमीरात के बीच आर्थिक संबंधों को आगे बढ़ाने के संभावित क्षेत्रों पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। दुबई प्रवास के दौरान राष्ट्र प्रमुखों और संस्थागत निवेशकों के साथ राउंड टेबल बैठक भी प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री की मेजबानी में बिजनेस लीडर्स लंच तथा निवेशकों के साथ संवाद कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। 8 सितंबर को ह्यइन्वेस्ट मध्यप्रदेश : इंटरएक्टिव सेशनह्ल के माध्यम से चुनिंदा वैश्विक निवेशकों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ सीधे संवाद का अवसर मिलेगा। इस दौरान मध्यप्रदेश की औद्योगिक नीतियों, निवेश-अनुकूल वातावरण और विभिन्न उभरते क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों को प्रमुखता से प्रस्तुत किया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत बन रहा आर्थिक शक्ति

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि व्यापार, वाणिज्य और उद्योग के क्षेत्र में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है और मध्यप्रदेश भी कदम से कदम मिलाकर इस विकास यात्रा में अपनी भूमिका निभा रहा है। वैश्विक स्तर पर निवेश की संभावनाओं को साकार करने के उद्देश्य से वे मध्यप्रदेश के प्रतिनिधिमंडल के साथ संयुक्त अरब अमीरात के दौरे पर पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से आर्थिक शक्ति बन रहा है और देश की बढ़ती आर्थिक क्षमता का लाभ राज्यों को भी मिल रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को यूएई पहुंचने के बाद मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा में कहा कि भारत दुनिया के विभिन्न देशों के साथ अपने संबंधों को लगातार मजबूत कर रहा है। व्यापार और वाणिज्य के क्षेत्र में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत में पारदर्शी और सरल व्यवस्था के साथ शुचिता को महत्व दिया जा रहा है, जिससे व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिला है। राज्यों के बीच भी निवेश और औद्योगिक विकास को लेकर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का वातावरण बना है। डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विभिन्न देशों के साथ भारत के व्यापार और वाणिज्यिक संबंधों में लगातार वृद्धि हुई है। भारत की आर्थिक क्षमता और वैश्विक स्तर पर उसकी भूमिका मजबूत हुई है। उन्होंने वर्तमान समय को स्वर्णिम काल बताते हुए कहा कि देश के साथ-साथ मध्यप्रदेश भी निवेश और व्यापार के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रदेश में निवेश आकर्षित करने और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश का निर्यात लगातार बढ़ रहा है। पिछले एक वर्ष में प्रदेश से 76 हजार करोड़ रुपए का निर्यात हुआ है। उन्होंने कहा कि यह आंकड़ा प्रदेश में बढ़ती व्यापारिक गतिविधियों और विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध संभावनाओं को दशार्ता है। राज्य सरकार का प्रयास है कि मध्यप्रदेश की क्षमता को वैश्विक बाजार से जोड़ा जाए और प्रदेश के उत्पादों तथा उद्योगों के लिए नए बाजार एवं निवेश के अवसर उपलब्ध हों। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार का लक्ष्य प्रदेश के प्रत्येक प्रमुख क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देना है। लॉजिस्टिक्स, माइनिंग, एग्रीकल्चर और रियल एस्टेट सहित विभिन्न क्षेत्रों में निवेश की संभावनाएं तलाशने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार चाहती है कि प्रदेश में व्यापार और उद्योग का विस्तार हो तथा इसका सीधा लाभ युवाओं को रोजगार के नए अवसरों के रूप में मिले। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा के दौरान मध्यप्रदेश और यूएई के बीच व्यापारिक एवं आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने का प्रयास किया जाएगा। वैश्विक निवेशकों से संवाद कर उन्हें प्रदेश में उपलब्ध निवेश संभावनाओं से अवगत कराया जाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यूएई के निवेशक मध्यप्रदेश की विकास यात्रा में भागीदार बनेंगे और दोनों पक्षों के बीच व्यापारिक संबंध नई ऊंचाइयों तक पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत और यूएई के बीच लगातार मजबूत हो रहे संबंधों के बीच मध्यप्रदेश के लिए भी नए अवसर सामने आए हैं। राज्य सरकार इन अवसरों का उपयोग प्रदेश में निवेश बढ़ाने, व्यापारिक गतिविधियों के विस्तार और रोजगार सृजन के लिए करना चाहती है। उन्होंने कहा कि वैश्विक निवेश के लिए मध्यप्रदेश में अनुकूल वातावरण तैयार किया जा रहा है और सरकार उद्योगों तथा निवेशकों को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर तीन अधिकारी निलंबित, एक मुख्यालय अटैच

सागर जिले की बंडा तहसील के तीन गांवों में नकली शराब पीने से हुई मौतों के मामले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर आबकारी आयुक्त दीपक सक्सेना ने प्रथम दृष्टया जिम्मेदार पाए गए तीन अधिकारियों को निलंबित कर दिया है, जबकि एक अधिकारी को जिले से हटाकर मुख्यालय अटैच किया गया है। पुलिस विभाग ने भी कार्रवाई करते हुए बंडा थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह कुशवाहा और गुगरा चौकी प्रभारी एसआई पूरन लाल लडिया को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। मुख्यमंत्री ने रविवार सुबह स्पष्ट निर्देश दिए कि इस घटना के लिए जिम्मेदार किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। यह दुखद घटना सागर जिले की बंडा तहसील के ग्राम गोगरा खुर्द, नौरोज और पाटन में हुई। मामले को गंभीरता से लेते हुए आबकारी विभाग ने अपनी प्रारंभिक जांच के आधार पर सागर की सहायक आबकारी आयुक्त कीर्ति दुबे, सहायक जिला आबकारी अधिकारी दिलीप खंडाते और बंडा वृत्त के आबकारी उपनिरीक्षक प्रोशनी उरेती को निलंबित किया है। वहीं उपायुक्त एवं संभागीय फ्लाइंग स्क्वाड प्रभारी नीरजा श्रीवास्तव को भी इस मामले में समान रूप से जिम्मेदार मानते हुए जिले से हटाकर ग्वालियर मुख्यालय अटैच किया गया है। पुलिस विभाग की ओर से भी घटना को गंभीरता से लेते हुए बंडा थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह कुशवाहा और गुगरा चौकी प्रभारी एसआई पूरन लाल लडिया को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। प्रशासन और पुलिस विभाग की ओर से की गई इन कार्रवाइयों के बाद मामले की जांच और तेज कर दी गई है। शासन स्तर से भी पूरे घटनाक्रम पर नजर रखी जा रही है तथा जिम्मेदारी तय करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घटना पर सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि यह अत्यंत संवेदनशील मामला है। उन्होंने बताया कि नई दिल्ली प्रवास के दौरान घटना की जानकारी मिलते ही सागर जिले के प्रभारी मंत्री और संबंधित अधिकारियों को तत्काल जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि मामले में किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल पहुंचकर घटना की जांच करने तथा प्रभावित परिवारों को आवश्यक राहत उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद सागर संभाग के कमिश्नर, आईजी, कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक सहित वरिष्ठ अधिकारी प्रभावित क्षेत्र में पहुंचे। अधिकारी दल ने घटना से प्रभावित परिजनों से मुलाकात कर उनकी स्थिति की जानकारी ली और आवश्यक सहायता के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। अधिकारियों ने प्रभावित परिवारों की समस्याओं को सुना और प्रशासन की ओर से हर संभव सहयोग सुनिश्चित करने की बात कही। अधिकारी दल ने अस्पताल पहुंचकर भर्ती मरीजों के उपचार और चिकित्सा व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। अधिकारियों ने चिकित्सकों से मरीजों की स्थिति की जानकारी ली और आवश्यक उपचार तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। प्रशासन की ओर से प्रभावित क्षेत्र में राहत एवं उपचार की व्यवस्थाओं को प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पूरे मामले में दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के साथ प्रभावित लोगों को तत्काल राहत और बेहतर उपचार उपलब्ध कराने पर जोर दिया है। घटना के बाद आबकारी और पुलिस विभाग के अधिकारियों पर हुई कार्रवाई को प्रशासनिक स्तर पर गंभीरता का संकेत माना जा रहा है। शासन की ओर से यह स्पष्ट किया गया है कि जांच में जो भी व्यक्ति जिम्मेदार पाया जाएगा, उसके विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सेमीकंडक्टर क्षेत्र में मध्यप्रदेश निभाएगा अग्रणी भूमिका : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को नई गति देने के लिए मध्यप्रदेश अग्रणी भूमिका निभाने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि राज्य में अत्याधुनिक तकनीक, निवेश और नवाचार के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया जा रहा है। सरकार का प्रयास है कि मध्यप्रदेश देश में तेजी से विकसित हो रहे सेमीकंडक्टर इको सिस्टम का महत्वपूर्ण केंद्र बने और इस क्षेत्र में राज्य की औद्योगिक क्षमता का प्रभावी उपयोग हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि सेमीकंडक्टर तकनीक भारत के आत्मनिर्भर और विकसित भविष्य की आधारशिला है। तकनीकी क्षेत्र में तेजी से हो रहे बदलावों के बीच मध्यप्रदेश भी अपनी भूमिका मजबूत कर रहा है। उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र में होने वाला विकास देश की तकनीकी क्षमता, औद्योगिक उत्पादन और नवाचार को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश सेमीकंडक्टर इंडिया प्रोग्राम 2.0 में अपनी भूमिका को मजबूत कर रहा है। केंद्र सरकार द्वारा छह राज्यों में 12 सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को मंजूरी दिए जाने के बाद देश में इस क्षेत्र के विकास की गति तेज हुई है। मध्यप्रदेश अपनी नीतिगत पहल, निवेश-अनुकूल वातावरण और औद्योगिक क्षमता के माध्यम से इस राष्ट्रीय अभियान को नई ऊंचाई देने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र में निवेश और अत्याधुनिक तकनीक को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश में आवश्यक वातावरण तैयार किया जा रहा है। इसके साथ ही नवाचार और तकनीकी सहयोग को प्रोत्साहित किया जाएगा। राज्य सरकार की कोशिश है कि सेमीकंडक्टर से जुड़े उद्योगों के लिए अनुकूल परिस्थितियां विकसित हों और प्रदेश में इस क्षेत्र से संबंधित गतिविधियों का विस्तार हो। इसी दिशा में इंदौर में अगले महीने 23 और 24 अक्टूबर को एमपी सेमीकंडक्टर समिट-2026 का आयोजन किया जा रहा है। इस समिट में देश-विदेश के निवेशक, तकनीकी विशेषज्ञ और नीति-निमार्ता एक मंच पर जुटेंगे। समिट के माध्यम से मध्यप्रदेश में सेमीकंडक्टर क्षेत्र की संभावनाओं को सामने रखने और इस क्षेत्र में निवेश एवं तकनीकी सहयोग को बढ़ावा देने पर चर्चा की जाएगी। समिट में प्रदेश में मजबूत सेमीकंडक्टर इको सिस्टम विकसित करने, निवेश की संभावनाओं, तकनीकी सहयोग और औद्योगिक विस्तार से जुड़े विभिन्न विषयों पर व्यापक विचार-विमर्श होगा। देश-विदेश के विशेषज्ञों और निवेशकों के साथ संवाद के माध्यम से मध्यप्रदेश में इस क्षेत्र के लिए उपलब्ध संभावनाओं और आवश्यकताओं पर चर्चा की जाएगी। इससे प्रदेश में सेमीकंडक्टर क्षेत्र के विकास के लिए नई साझेदारियों और निवेश के अवसरों को आगे बढ़ाने का मार्ग तैयार होने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश तकनीकी बदलावों के इस दौर में अपनी औद्योगिक क्षमता और निवेश-अनुकूल नीतियों के माध्यम से महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में निवेश और नवाचार को बढ़ावा देकर प्रदेश देश के आत्मनिर्भरता अभियान में योगदान देगा। सरकार का लक्ष्य मध्यप्रदेश को उभरते सेमीकंडक्टर इको सिस्टम में महत्वपूर्ण स्थान दिलाना है, जिससे राज्य की औद्योगिक क्षमता को नई दिशा मिल सके।

मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी में 46वें उप पुलिस अधीक्षक बैच का प्रशिक्षण शुरू

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी, भोपाल में 46वें उप पुलिस अधीक्षक बैच के बुनियादी प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन सत्र मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी के निदेशक एवं विशेष पुलिस महानिदेशक रवि कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण बैच में कुल 17 प्रशिक्षु अधिकारी शामिल हैं, जिनमें छह पुरुष और 11 महिला अधिकारी हैं। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को आधुनिक, संवेदनशील, तकनीक आधारित और प्रभावी पुलिसिंग के लिए आवश्यक विभिन्न विषयों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। उद्घाटन सत्र में निदेशक एवं विशेष पुलिस महानिदेशक रवि कुमार गुप्ता ने प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि एक प्रभावी पुलिस अधिकारी के लिए अच्छा श्रोता होना और फील्ड वर्क की व्यावहारिक समझ रखना बेहद जरूरी है। इसके साथ ही वर्क मैनेजमेंट, प्रशासनिक निर्णय लेने की क्षमता, कानून-व्यवस्था प्रबंधन तथा वैज्ञानिक तरीके से अपराध अनुसंधान की दक्षता भी पुलिस अधिकारी के कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने अधिकारियों को प्रशिक्षण के दौरान इन सभी पहलुओं पर गंभीरता से ध्यान देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि पुलिस सेवा में अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा का विशेष महत्व है। जरूरतमंद लोगों की सहायता करना भी पुलिस सेवा का अभिन्न हिस्सा है। प्रशिक्षु अधिकारियों को बदलती परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को तैयार करते हुए नवाचार और आधुनिक तकनीक को अपनाना चाहिए। उन्होंने प्रभावी और परिणामदायी

पुलिसिंग के लिए तकनीकी संसाधनों तथा नए तरीकों के उपयोग पर विशेष जोर दिया। 46वें उप पुलिस अधीक्षक बैच के प्रशिक्षण कार्यक्रम में पारंपरिक पुलिसिंग के आधारभूत ज्ञान के साथ आधुनिक, तकनीक आधारित और जन-केंद्रित पुलिसिंग की आवश्यकताओं को भी शामिल किया गया है। प्रशिक्षण का उद्देश्य अधिकारियों को कानून एवं व्यवस्था से संबंधित जिम्मेदारियों के साथ अपराध नियंत्रण, अनुसंधान और आम जनता के साथ संवेदनशील व्यवहार के लिए तैयार करना है। इसके लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में वर्तमान समय की पुलिसिंग से जुड़े नवीन और प्रासंगिक विषयों को स्थान दिया गया है। प्रशिक्षण के प्रमुख विषयों में आधुनिक भारत एवं पुलिस व्यवस्था, भारतीय संविधान एवं मानव अधिकार, नीतिशास्त्र एवं नैतिकता, अपराधशास्त्र, व्यक्तित्व विकास एवं मानव व्यवहार तथा प्रबंधन एवं पुलिस कार्य शामिल हैं। इसके अलावा कानून-व्यवस्था से जुड़े विषयों का भी प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षु अधिकारियों को भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम से संबंधित प्रावधानों की जानकारी भी दी जाएगी। प्रशिक्षण में अपराध अनुसंधान और प्रभावी पुलिसिंग को भी प्रमुखता दी गई है। अधिकारियों को वैज्ञानिक तरीके से अपराध अनुसंधान करने, परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लेने और पुलिस कार्य को अधिक प्रभावी बनाने से जुड़े विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया जाएगा। प्रशिक्षण के माध्यम से अधिकारियों में कानून की समझ के साथ प्रशासनिक क्षमता, नेतृत्व कौशल और जनसेवा की भावना विकसित करने पर भी जोर रहेगा। उद्घाटन अवसर पर उप निदेशक रामजी श्रीवास्तव, सहायक निदेशक प्रशिक्षण रश्मि पाण्डेय, सहायक निदेशक एवं प्रभारी पुलिस अधीक्षक पीटीएस भोपाल यास्मीन जहरा सहित अकादमी के वरिष्ठ अधिकारी और स्टाफ मौजूद रहे। इस अवसर पर 45वें एवं 46वें उप पुलिस अधीक्षक बैच के प्रशिक्षु अधिकारी भी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से नए अधिकारियों को पुलिस सेवा की जिम्मेदारियों के लिए व्यावहारिक और सैद्धांतिक रूप से तैयार किया जाएगा।

दोषी कोई भी हो, बख्शा नहीं जाएगा : उप मुख्यमंत्री देवड़ा

भोपाल, एजेंसी। सागर जिले की बंडा तहसील के ग्राम गोगरा खुर्द, नौरोज और पाटन में शराब पीने से दस लोगों की मृत्यु के मामले में राज्य सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। उप मुख्यमंत्री एवं वाणिज्यिक कर मंत्री जगदीश देवड़ा ने मामले में आबकारी अधिकारियों पर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर उपायुक्त एवं संभागीय फ्लाइंग स्क्वाड प्रभारी नीरजा श्रीवास्तव को ग्वालियर मुख्यालय अटैच किया गया है। वहीं सहायक आयुक्त आबकारी सागर कीर्ति दुबे, सहायक जिला आबकारी अधिकारी सागर दिलीप खंडाते और आबकारी उप निरीक्षक वृत्त बंडा प्रोशनी उरेती को निलंबित कर दिया गया है। उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने स्पष्ट कहा कि इस हादसे के पीछे जो भी व्यक्ति जिम्मेदार होगा, उसे किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी मामले में कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं और सरकार पूरे प्रकरण में सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा कि अवैध अथवा नकली शराब के निर्माण और बिक्री से जुड़े किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही यदि विभागीय स्तर पर किसी अधिकारी या कर्मचारी की लापरवाही सामने आती है तो उसकी जवाबदेही भी तय की जाएगी। उन्होंने कहा कि घटना की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन और पुलिस द्वारा मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। जांच में शराब के स्रोत, उसकी आपूर्ति और घटना से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका का पता लगाया जा रहा है। शासन ने स्पष्ट किया है कि जांच में जो भी व्यक्ति दोषी पाया जाएगा, उसके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में मनाया अंतर्राष्ट्रीय गिद्ध जागरूकता दिवस

भोपाल, एजेंसी। वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल में अंतर्राष्ट्रीय गिद्ध जागरूकता दिवस के अवसर पर विभिन्न जन-जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया और बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी (बीएनएचएस) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य पारिस्थितिकी तंत्र में गिद्धों की महत्वपूर्ण भूमिका और उनके संरक्षण की आवश्यकता के प्रति आमजन को जागरूक करना था। कार्यक्रम के दौरान गिद्ध संरक्षण से जुड़े संदेशों के माध्यम से पर्यावरण संतुलन में इस पक्षी के महत्व को बताया गया। अंतर्राष्ट्रीय गिद्ध जागरूकता दिवस सितंबर के प्रथम शनिवार को मनाया जाता है। इस अवसर पर वन विहार स्थित विहार वीथिका में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वन संरक्षक, भोपाल वृत्त क्षितिज कुमार रहे। कार्यक्रम में डब्ल्यूडब्ल्यूएफ भोपाल की राज्य संचालक डॉ. स्वाति मोघे, वन विहार राष्ट्रीय उद्यान की सहायक संचालक डॉ. रूही हक, बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी के प्रतिनिधि डॉ. संजय परिहार, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ भोपाल के अजय मिश्रा और रोहन सिंगारपूरे सहित विभिन्न संस्थाओं के अधिकारी, कर्मचारी और स्वयंसेवी उपस्थित रहे। वन विहार की विहार वीथिका में 6 सितंबर को डब्ल्यूडब्ल्यूएफ भोपाल की ओर से गिद्ध संरक्षण की थीम पर स्कूली छात्र-छात्राओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इनमें स्टोन पेंटिंग, वुडन टाइल पेंटिंग और फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता शामिल रही। प्रतियोगिताओं में लगभग 100 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने गिद्धों की पेंटिंग बनाकर और गिद्धों की वेशभूषा धारण कर पर्यावरण के लिए गिद्धों की आवश्यकता तथा उनके संरक्षण का संदेश दिया। इसी क्रम में बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी की ओर से भोपाल शहर के विभिन्न स्कूलों में गिद्ध संरक्षण की थीम पर पेंटिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया गया। इन प्रतियोगिताओं में लगभग 500 स्कूली छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों को अंतर्राष्ट्रीय गिद्ध जागरूकता दिवस के अवसर पर पुरस्कार वितरित किए गए। इस दौरान विद्यार्थियों को गिद्धों के संरक्षण और पर्यावरण में उनकी भूमिका के बारे में जानकारी भी दी गई। 5 और 6 सितंबर को बीएनएचएस की ओर से वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में आने वाले पर्यटकों के लिए भी गिद्ध संरक्षण की थीम पर ह्यऑन द स्पॉट क्विजह्ल का आयोजन किया गया। इसमें पर्यटकों से गिद्धों से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछे गए। सही उत्तर देने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। क्विज के माध्यम से पर्यटकों को गिद्धों के संरक्षण, उनके पर्यावरणीय महत्व और बचाव से संबंधित जानकारी देकर जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न गतिविधियों में बच्चों, पर्यटकों और पर्यावरण से जुड़े लोगों की सहभागिता रही। चित्रकला और फैंसी ड्रेस जैसी गतिविधियों के माध्यम से गिद्ध संरक्षण के संदेश को सरल एवं प्रभावी तरीके से लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया गया। आयोजकों ने गिद्धों को पारिस्थितिकी तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा बताते हुए इनके संरक्षण के लिए जनभागीदारी को आवश्यक बताया। अंतर्राष्ट्रीय गिद्ध जागरूकता दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों के अंत में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किए गए। आयोजन के माध्यम से स्कूली विद्यार्थियों और वन विहार में आने वाले पर्यटकों को गिद्धों के संरक्षण के प्रति जागरूक करने के साथ पर्यावरण संरक्षण में उनकी भूमिका को समझाने का प्रयास किया गया। इस अवसर पर गिद्ध संरक्षण को लेकर जागरूकता बढ़ाने और अधिक से अधिक लोगों को इससे जोड़ने का संदेश दिया गया।

बच्चों की शिक्षा हो रही प्रभावित , शाला प्रभारी ने अधिकारियों को नहीं दी जानकारी

दो माह से गायब है शा.मा.शाला सगौना की अतिथि शिक्षक

दैनिक रेवांचल टाईम्स, ढीमरखेड़ा। शासकीय माध्यमिक शाला सगौना से शिक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक लापरवाही से जुड़ा एक गंभीर मामला सामने आया है। विद्यालय में पदस्थ अतिथि शिक्षक मंजू भालाधरे लगभग दो माह से अनुपस्थित रहने के कारण विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

विद्यालय प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं, क्योंकि प्रभारी प्राचार्य द्वारा अतिथि शिक्षक की अनुपस्थिति के संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों को लिखित जानकारी देने के बजाय केवल मौखिक सूचना दी गई है। इस लापरवाही के बाद स्थानीय ग्रामीणों और शिक्षाविदों द्वारा संकुल प्राचार्य से नियमानुसार जांच और कठोर कार्रवाई की मांग की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ढीमरखेड़ा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली शासकीय माध्यमिक शाला सगौना में अतिथि शिक्षक के रूप में मंजू भालाधरे की नियुक्ति की गई थी। आरोप है कि वे विगत कई दिनों से बिना किसी पूर्व सूचना या स्वीकृति के विद्यालय से अनुपस्थित चल रही हैं। किसी भी शासकीय विद्यालय में शिक्षकों या अतिथि शिक्षकों की उपस्थिति और अनुपस्थिति का सीधे तौर पर असर विद्यार्थियों के अध्यापन पर पड़ता है।अतिथि शिक्षक की निरंतर अनुपस्थिति के कारण विद्यालय में नामांकित छात्र-छात्राओं की पढ़ाई बाधित हो रही है। इसके बावजूद, विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य द्वारा इस विषय में जिम्मेदार प्रशासनिक रुख अपनाने के बजाय लापरवाही बरती गई। नियमानुसार किसी भी कर्मचारी या अतिथि शिक्षक की अनुपस्थिति की लिखित रिपोर्ट संकुल केंद्र को भेजी जानी चाहिए, किंतु प्रभारी प्राचार्य ने संकुल प्राचार्य को केवल मौखिक रूप से ही अवगत कराया।

कौन दे रहा संरक्षण

शिक्षा विभाग के स्थापित नियमों के अनुसार, यदि कोई अतिथि शिक्षक विद्यालय में अनुपस्थित रहता है, तो उपस्थिति रजिस्टर में अंकन दैनिक उपस्थिति रजिस्टर में संबंधित अतिथि शिक्षक की अनुपस्थिति स्पष्ट रूप से दर्ज करे। पोर्टल पर प्रविष्टि मध्य प्रदेश शासन के शिक्षा विभाग द्वारा संचालित पोर्टल पर उपस्थिति का सही और अद्यतन विवरण दर्ज करे। लिखित पत्राचार अनुपस्थिति की अवधि लंबी होने पर तुरंत संकुल प्राचार्य और विकासखंड शिक्षा अधिकारी को लिखित पत्र भेजकर स्थिति से अवगत कराए। प्रभारी प्राचार्य द्वारा लिखित सूचना न दिए जाने के कारण यह मामला अब संदेह के घेरे में है। सवाल उठ रहे हैं कि क्या उपस्थिति रजिस्टर और विभागीय पोर्टल पर अतिथि शिक्षक को अनुपस्थित दशार्या जा रहा है या कागजों में उपस्थिति दर्ज की जा रही है? यदि जानकारी लिखित में संकुल तक नहीं पहुंची, तो पोर्टल पर री-ज्वाइनिंग या उपस्थिति का अद्यतन विवरण किस आधार पर दर्ज किया गया है?

16 सितम्बर को कटनी नगर में होगा विशाल मंचीय कार्यक्रम, बैठक में जुटे सैकड़ों कार्यकर्ता

विश्व हिंदू परिषद स्थापना दिवस के भव्य आयोजन की बनी रणनीति

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। विश्व हिंदू परिषद के स्थापना दिवस के अवसर पर आगामी 16 सितम्बर को कटनी नगर में विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के तत्वावधान में भव्य मंचीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम को व्यापक एवं ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान करने के उद्देश्य से संगठन द्वारा तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। स्थापना दिवस समारोह में समाज के विभिन्न वर्गों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए कार्यकताओं को विशेष जिम्मेदारियां भी सौंपी जाएंगी। विश्व हिंदू परिषद की स्थापना भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व के अवसर पर वर्ष 1964 में हुई थी। स्थापना दिवस के इसी पावन अवसर को स्मरण करते हुए प्रतिवर्ष संगठन द्वारा विभिन्न स्तरों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस वर्ष भी कटनी नगर में स्थापना दिवस समारोह को बृहद स्वरूप में आयोजित करने का निर्णय लिया गया है।

जोबियल स्कूल संत नगर में हुई महत्वपूर्ण बैठक– स्थापना दिवस कार्यक्रम की तैयारियों एवं रूपरेखा को लेकर विगत दिवस रविवार को जोबियल स्कूल, संत नगर में विश्व हिंदू परिषद की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक निर्धारित समय पर प्रारंभ हुई, जिसमें संगठन के सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक के दौरान आगामी 16 सितम्बर को आयोजित होने वाले स्थापना दिवस कार्यक्रम की रूपरेखा, मंचीय आयोजन, समाज की सहभागिता तथा अधिक से अधिक लोगों तक कार्यक्रम का संदेश पहुंचाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यकताओं से आयोजन को सफल बनाने के लिए पूरी सक्रियता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का आह्वान किया गया।

संगठन आज पूरे विश्व में कर रहा कार्य — राहुल दुबे– बैठक को संबोधित करते हुए बजरंग दल के प्रांत सह संयोजक राहुल दुबे ने कहा कि विश्व हिंदू परिषद आज केवल एक संगठन नहीं, बल्कि हिंदू समाज की सेवा, सुरक्षा, संस्कार और संगठन के लिए निरंतर कार्य करने वाली एक सशक्त वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित हो चुका है। उन्होंने कहा कि विश्व हिंदू परिषद की स्थापना कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर वर्ष 1964 में हुई थी और स्थापना दिवस के निमित्त प्रत्येक वर्ष विभिन्न प्रखंडों एवं क्षेत्रों में कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहे हैं। इस वर्ष भी स्थापना दिवस समारोह को व्यापक और भव्य स्वरूप में आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। राहुल दुबे ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हम उस संगठन के कार्यकर्ता हैं, जिसे किसी पहचान की आवश्यकता नहीं है। विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल समाज के बीच रहकर समाजहित, सेवा और संगठन के कार्यों में निरंतर सक्रिय रहते हैं। संगठन की पहचान उसके कार्यों और समाज के प्रति उसके समर्पण से बनी है। **अधिक से अधिक समाजजन को जोड़ने का आह्वान–** बैठक में उपस्थित कार्यकताओं द्वारा विश्व हिंदू परिषद स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले मंचीय कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में समाजजनों की सहभागिता सुनिश्चित करने का संकल्प लिया गया। सभी कार्यकताओं से अपने-अपने क्षेत्रों में संपर्क अभियान चलाकर लोगों को कार्यक्रम की जानकारी देने और बड़ी संख्या में उपस्थित होने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया गया। कार्यकताओं ने कहा कि स्थापना दिवस केवल संगठन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज को एकजुट करने और संगठन के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने का अवसर है। इसी उद्देश्य के साथ 16 सितम्बर को कटनी नगर में आयोजित होने वाले मंचीय कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां की जाएंगी। बैठक के दौरान संगठन की कार्यप्रणाली, आगामी कार्यक्रमों तथा स्थापना दिवस समारोह को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। उपस्थित कार्यकताओं ने आयोजन को सफल बनाने के लिए पूर्ण मनोयोग से कार्य करने का संकल्प लिया। अंत में शांति मंत्र के साथ बैठक का विधिवत समापन किया गया।

स्लीमनाबाद में लंबे समय से चल रहे भूमि विवाद पर लगी कानूनी रोक, सिविल कोर्ट में मामला लंबित होने के बावजूद हाईकोर्ट पहुंचने पर अदालत ने जताई नाराजगी

सैनिक छावनी की जमीन पर हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, याचिका खारिज

दैनिक रेवांचल टाइम्स, कटनी। स्लीमनाबाद में सैनिक छावनी के नाम दर्ज सरकारी भूमि को लेकर लंबे समय से चल रहे विवाद में मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय, जबलपुर ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। न्यायालय ने रिट याचिका क्रमांक 49345/2025 *निसार बेग एवं अन्य बनाम मध्यप्रदेश शासन एवं अन्य* को खारिज करते हुए याचिकाकताओं पर 10 हजार रुपये की लागत भी अधिरोपित की है। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब सैनिक छावनी के रूप में दर्ज भूमि से अतिक्रमण हटाने की प्रशासनिक कार्रवाई को लेकर स्लीमनाबाद में स्थानीय स्तर पर भी काफी हलचल रही है। मामले की सुनवाई मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय, जबलपुर की कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विवेक रूसिया एवं न्यायमूर्ति प्रदीप मित्तल की खंडपीठ ने की। 17 अगस्त 2026 को पारित आदेश में न्यायालय ने इस बात को महत्वपूर्ण माना कि इसी विवाद से संबंधित मामला पहले से सिविल न्यायालय में लंबित था। ऐसे में उसी विषय को लेकर उच्च न्यायालय में रिट याचिका के माध्यम से समान राहत मांगना उचित कानूनी प्रक्रिया नहीं माना जा सकता।

सैनिक छावनी की जमीन को लेकर था विवाद

विवाद स्लीमनाबाद के खसरा नंबर 54 से जुड़ा है, जिसका रकबा 2.72 हेक्टेयर बताया गया है। राजस्व अभिलेखों में उक्त भूमि मध्यप्रदेश शासन के नाम पर सैनिक छावनी के रूप में दर्ज है। दूसरी ओर याचिकाकताओं की ओर से खसरा नंबर 53 में दर्ज 0.400 हेक्टेयर कब्रिस्तान एवं दफन भूमि के संरक्षण की मांग की गई थी। याचिकाकताओं का कहना था कि कब्रिस्तान में पर्याप्त जगह नहीं होने के कारण समीपवर्ती खसरा नंबर 54 की भूमि का भी शव दफनाने के लिए उपयोग किया जा रहा है। इसी बीच सैनिक छावनी के रूप में दर्ज भूमि से अतिक्रमण हटाने की प्रशासनिक कार्रवाई शुरू हुई। तहसीलदार स्लीमनाबाद ने कार्रवाई के लिए पांच सदस्यीय समिति गठित की तथा संबंधित पक्षों को बेदखली एवं भूमि खाली करने संबंधी नोटिस जारी किए। मामले में याचिकाकताओं द्वारा पहले ही सिविल न्यायालय में वाद दायर किया जा चुका था। वहां आदेश 39 नियम 1 एवं 2 सीपीसी के तहत अंतरिम राहत की मांग भी की गई थी। प्रारंभिक स्तर पर यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश दिए गए, लेकिन बाद में सिविल न्यायालय ने अंतरिम राहत संबंधी आवेदन को उसके गुण-दोष के आधार पर खारिज कर दिया। इसी तथ्य को हाईकोर्ट ने अपने फैसले में अहम माना। न्यायालय के समक्ष यह स्थिति सामने आई कि जब संबंधित पक्ष उसी विवाद को लेकर सिविल न्यायालय में पहले से कानूनी लड़ाई लड़ रहा है, तो समान विषय और राहत को लेकर उच्च न्यायालय में अलग से रिट याचिका दायर करना उचित नहीं है। इसी आधार पर हाईकोर्ट ने याचिका को खारिज कर दिया।

10 हजार रुपये की कास्ट

खंडपीठ ने केवल याचिका खारिज नहीं की, बल्कि याचिकाकताओं पर 10 हजार रुपये की लागत भी लगाई है। न्यायालय ने उक्त राशि मध्यप्रदेश शासन के खाते में फाइन्स एंड फॉरफीचर्स यानी विविध शुल्क मद के अंतर्गत जमा कराने के निर्देश दिए हैं। अदालत के इस आदेश के बाद स्लीमनाबाद की विवादित भूमि को लेकर चल रहे मामले में प्रशासनिक कार्रवाई और राजस्व अभिलेखों में दर्ज भूमि की स्थिति को लेकर चर्चा तेज हो गई है। खास तौर पर इस बात को लेकर निगाहें टिक गई हैं कि अब प्रशासन अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया में आगे क्या कदम उठाता है।

ग्रामीणों के लामबंद होने के बाद फिर गरमाया मामला

सैनिक छावनी के नाम दर्ज भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान ग्राम पंचायत स्लीमनाबाद के आमजन भी लामबंद हुए थे। स्थानीय स्तर पर भूमि को लेकर लंबे समय से चर्चा और विवाद की स्थिति बनी हुई थी। अब हाईकोर्ट द्वारा रिट याचिका खारिज किए जाने के बाद यह मामला एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। फैसले के बाद विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकताओं में भी उत्साह देखा जा रहा है। कार्यकताओं का कहना है कि सरकारी अभिलेखों में सैनिक छावनी के रूप में दर्ज भूमि को लेकर न्यायालय का आदेश महत्वपूर्ण है। वहीं दूसरी ओर अब स्लीमनाबाद क्षेत्र में प्रशासनिक कार्रवाई की अगली दिशा को लेकर लोगों की नजरें टिकी हुई हैं। हाईकोर्ट के फैसले ने फिलहाल इस लंबे समय से चले आ रहे विवाद में एक महत्वपूर्ण कानूनी अध्याय जोड़ दिया है।

राजस्व प्रकरणों के निराकरण में कटनी प्रदेश में अग्रणी

कटनी । राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण और आम नागरिकों को समय-सीमा में राजस्व सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में कटनी जिले ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। कलेक्टर श्री आशीष तिवारी के निरंतर मार्गदर्शन, नियमित समीक्षा और राजस्व अधिकारियों की प्रभावी मॉनीटरिंग से जिले ने नामांतरण, सीमांकन एवं बंटवारा के निराकरण में प्रदेश के 55 जिलों में टॉप-10 में स्थान बनाया है। वहीं अभिलेख दुरुस्ती के प्रकरणों के निराकरण में भी कटनी ने प्रदेश एवं संभाग स्तर पर बेहतर रैंकिंग दर्ज की है। नामांतरण प्रकरणों के निराकरण में कटनी जिले का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा। जिले में 16 हजार 724 प्रकरण पंजीकृत हुए, जिनमें से 14 हजार 269 प्रकरणों का निराकरण किया जा चुका है। जिले की निराकरण दर 85.32 प्रतिशत रही। इस उपलब्धि के साथ कटनी ने प्रदेश में 7वां और संभाग में प्रथम स्थान हासिल किया है।

संदीपनी हायर सेकेंडरी स्कूल पवई में धूमधाम से मनाया गया शिक्षक दिवस समारोह

दैनिक रेवांचल टाईम्स, पन्ना। संदीपनी हायर सेकेंडरी स्कूल पवई में शिक्षक दिवस के अवसर पर समारोह का आयोजन धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम में भारत के द्वितीय राष्ट्रपति, महान शिक्षक एवं दार्शनिक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त शिक्षक श्री के.एल. उपाध्याय एवं जनतेश दयाल श्रीवास्तव ने एसएमसी अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के साथ मां सरस्वती एवं डॉ. राधाकृष्णन के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर एसएमसी अध्यक्ष द्वारा सभी विशिष्ट गुरुजनों का शाल-श्रीफल से सम्मान किया गया। वहीं प्राचार्य आर.के. नगायच सहित विद्यालय के सभी शिक्षकों को पेन प्रदान कर तिलक लगाकर सम्मानित किया गया। नगर परिषद पार्षद श्रीमती देवी खटीक का भी स्वागत किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए अतिथियों ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षकों की भूमिका और जिम्मेदारी और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। दूरस्थ शिक्षा के बढ़ते प्रभाव से विद्यार्थियों और शिक्षकों के बीच दूरी, शिक्षकों के सम्मान में कमी, विद्यालयों में शिक्षकों की कमी तथा शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों में लगाए जाने जैसे विषयों पर भी विचार व्यक्त किए गए। अतिथियों ने कहा कि शिक्षकों की कर्तव्य के प्रति उदासीनता भी विद्यालय और समाज की दशा एवं दिशा को प्रभावित करती है। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की सादगी, विचार और दर्शन शिक्षकों को अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पित होकर कार्य करने की प्रेरणा देते हैं।

खनिज राजस्व वसूली के मामले में कलेक्टर सख्त, बकायेदारों से होगी आरआरसी के जरिए वसूली

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। जिले में खनिज राजस्व की शत-प्रतिशत वसूली सुनिश्चित करने को लेकर कलेक्टर आशीष तिवारी ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने खनिज विभाग की राजस्व प्राप्ति की समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि शासन को देय राजस्व की वसूली में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। बकायादार खदान संचालकों से निर्धारित समय-सीमा में राशि जमा कराने के साथ ही जरूरत पड़ने पर भू-राजस्व संहिता के तहत आरआरसी जारी कर प्रभावी वसूली की जाए। कलेक्टर श्री तिवारी ने वित्तीय वर्ष में शत-प्रतिशत राजस्व वसूली के लिए विभाग द्वारा तैयार कार्ययोजना की विस्तृत समीक्षा की।

वरिष्ठ पत्रकार आशुतोष शुक्ला के निधन पर पत्रकारों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। जिले के वरिष्ठ पत्रकार, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी आशुतोष शुक्ला के आकस्मिक निधन से पत्रकारिता जगत में शोक की लहर है। उनके निधन पर शहर के पत्रकारों ने एसबीआई तिराहा स्थित स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी संगठन कार्यालय में शोकसभा आयोजित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। शोकसभा के दौरान पत्रकारों ने स्वर्गीय आशुतोष शुक्ला के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर उनके साथ बिताए आत्मीय पलों को याद करते हुए कई पत्रकार भावुक हो उठे। वक्ताओं ने कहा कि आशुतोष केवल एक वरिष्ठ पत्रकार ही नहीं, बल्कि अपने साथियों के लिए हर समय उपलब्ध रहने वाले मददगार और आत्मीय साथी थे। पत्रकारों ने बताया कि किसी साथी को तकनीकी समस्या हो या पत्रकारिता से जुड़ी किसी अन्य परेशानी का सामना करना पड़ता हो आशुतोष बिना किसी औपचारिकता के मदद के लिए आगे आ जाते थे। वे साथियों के सुख-दुख में हमेशा कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे। उनका सहज, मिलनसार और सहयोगी व्यक्तित्व पत्रकारों के बीच उनकी अलग पहचान बनाता था। वक्ताओं ने कहा कि आशुतोष शुक्ला का असमय निधन पत्रकारिता जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। एक सक्रिय, जुझारू और सहयोगी साथी का अचानक यूं चले जाना सभी के लिए बेहद पीड़ादायक है। उनके योगदान और आत्मीय व्यवहार को पत्रकार साथी लंबे समय तक याद रखेंगे। शोकसभा के अंत में उपस्थित सभी पत्रकारों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। साथ ही शोकाकुल परिवार को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की गई।

ये पत्रकार रहे उपस्थित- श्रद्धांजलि सभा में वरिष्ठ पत्रकार संतोष दुबे, अजय शर्मा, अमर ताम्रकार, शैलेश पाठक, विवेक शुक्ला, गिरीश श्रीवास्तव, अनिल तिवारी, वंदना तिवारी, प्रेम सिंह, शिव प्रताप सिंह, संजय अग्रवाल, मुकेश तिवारी, मुरली प्रथयानी, भवानी तिवारी, शकील खान, जाहिद हुसैन, असलम खान, जीतेन्द्र कोस्टा, रवि गुप्ता, प्रवीण पारासर, नवनीत गुप्ता, अरविन्द गुप्ता, अमित यादव, अनंत चतुवेर्दी, सचिन मिश्रा, सुभाष गर्ग, कृष्ण कुमार ठाकुर, अंकुश रजक, तपन निषाद, रोहित सेन, राकेश तिवारी, विजय उपाध्याय, हेमंत सिंह, अनुज आनंद, बबलू भाईजान सहित अन्य पत्रकार साथी उपस्थित रहे।

तीन दिवसीय श्रीकृष्ण पर्व का समापन: दूसरे एवं तीसरे दिवस श्री जुगल किशोर मंदिर में हुई प्रस्तुतियां

दैनिक रेवांचल टाईम्स, पन्ना। संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन पन्ना के सहयोग से जन्माष्टमी पर्व पर तीन दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम श्री कृष्ण पर्व अंर्तगत श्री जुगल किशोर मंदिर प्रांगण में दूसरे एवं तीसरे दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। द्वितीय दिवस 3 सितम्बर को श्रीकृष्ण आख्यान की कला अभिव्यक्तियों पर केन्द्रित प्रस्तुतियों के तहत सुप्रसिद्ध गायिका ग्वालियर की अंकिता कैलासिया ने भगवान श्री कृष्ण की लीलाओं पर केन्द्रित गीतों की प्रस्तुति दी।

श्री कृष्ण जन्म लीला, माखन चोरी लीला, कालिया नाग मर्दन लीला, गोवर्धन लीला, राधा कृष्ण प्रेम लीला, बृज होली लीला प्रस्तुत करके दर्शकों के बीच विशेष छाप छोड़ी। इस क्रम में रंग त्रिवेणी साहित्य एवं सांस्कृतिक समिति भोपाल द्वारा रचना आनंद मिश्रा के निर्देशन में कृष्ण रंग नाटक की प्रस्तुति दी गई। इसमें भगवान श्रीकृष्ण की अलग-अलग लीलाओं का वर्णन किया गया। कृष्ण के बाल रूप से लेकर उनके विराट रूप को दशार्या गया। नाटक की शुरूआत फ्लैश बैक से की गई, जिसमें गांधारी के श्राप से श्रीकृष्ण का निर्वाण हो जाता है। इस दौरान विभिन्न लीलाओं का वर्णन कर महाभारत युद्ध के साथ नाटक का अंत किया गया। अंतिम दिवस नर्मदापुरम की सुप्रसिद्ध गायिका दामिनी पठारिया ने भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं पर केन्द्रित एक से बढ़ के एक गीतों की अपने अंदाज से प्रस्तुति कर दर्शकों को प्रभावित किया। रीवा की जान्हवी सिंह ने कृष्ण लीला पर आधारित नृत्य नाटिका के माध्यम से दर्शकों पर छाप छोड़ी। जन्माष्टमी पर्व पर उपस्थित भक्तगणों ने जयकारे के साथ नृत्य भी किया। कार्यक्रम में कलाकारों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष मीना पाण्डेय सहित अन्य जनप्रतिनिधि, कलेक्टर ऊषा परमार, पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू एवं नगरवासी, श्रद्धालु एवं भक्तगण और गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे। सारेश श्रीवास्तव सौरभ द्वारा कार्यक्रम का साफ ला संचालन किया गया।

छह गांवों में अवैध मदिरा के ठिकानों पर एक साथ दबिश

कटनी । जनसुनवाई में मिली अवैध मदिरा विक्रय की शिकायत पर कलेक्टर श्री आशीष तिवारी के निर्देश पर आबकारी विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए वृत्त कटनी क्रमांक-03 एवं स्लीमनाबाद क्षेत्र में अवैध शराब के ठिकानों पर व्यापक दबिश दी। अलग-अलग स्थानों पर की गई कार्रवाई में 17 हजार रुपए से अधिक मूल्य की देशी मदिरा एवं बीयर जब्त की गई, जबकि आबकारी अधिनियम के तहत 5 प्रकरण दर्ज किए गए हैं। कलेक्टर श्री आशीष तिवारी के निर्देश पर जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, विक्रय और परिवहन के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

ओम होम हैल्थ केयर सर्विस
हमारे पास अशक्त बुजुर्ग मरीजों की देखभाल हेतु नर्स,वार्ड वॉय,आया बाई,फिजियोथैरेपी और दवाईयाँ घर पर उपलब्ध कराए जाते हैं।
प्रो.जितेन्द्र पटैल CERVIC - 24X7 Hourse
मो. 9340721556,9753518166
पता-केनरा बैंक महाराष्ट्र हॉई स्कूल गोल बाजार जबलपुर(म.प्र.)

Manufacturer of t-shirts & lowers Mo. 9174614421, 9406763810
CHANDRAKALA TEXTILES
सभी प्रकार की टी-शर्ट ऑर्डर पर बनाई और प्रिंट की जाती हैं और स्पोर्ट्स सबलिमेसन जर्सी बनाई जाती हैं।
Address : shop no 151, jabalpur fashion design cluster market Lema garden Gohalpur jabalpur 482001

त्यौहारी सीजन में रेलवे स्टेशन पर विशेष मजिस्ट्रेट चेकिंग, 20 अवैध वेंडर पकड़े

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। त्यौहारी सीजन के दौरान यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए उनकी सुरक्षा, सुविधा और खान-पान की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जबलपुर रेलवे स्टेशन पर विशेष मजिस्ट्रेट चेकिंग अभियान चलाया गया। रेलवे मजिस्ट्रेट वेदप्रकाश सागर के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में जीआरपी, आरपीएफ, वाणिज्य विभाग, खाद्य विभाग और मजिस्ट्रेट स्क्वाड की संयुक्त टीम शामिल रही। टीम ने रेलवे स्टेशन के सभी प्लेटफार्मों का सघन निरीक्षण करते हुए यात्रियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं और खान-पान की वस्तुओं की जांच की। चेकिंग के दौरान स्टेशन परिसर में बिना वैध अनुमति के खाद्य सामग्री और अन्य सामान बेचने वाले 20 अवैध वेंडरों को पकड़ा गया। जांच टीम ने पाया कि ये वेंडर बिना अधिकृत अनुमति के स्टेशन परिसर में सामग्री बेच रहे थे। यात्रियों की सुरक्षा और रेलवे परिसर में अनधिकृत गतिविधियों पर रोक लगाने के उद्देश्य से सभी के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की गई। पकड़े गए वेंडरों को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। विशेष मजिस्ट्रेट चेकिंग के दौरान एक यात्री को भी पकड़ा गया। संयुक्त टीम ने स्टेशन परिसर में अलग-अलग स्थानों पर जांच करते हुए संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी। त्यौहारी सीजन में स्टेशन पर सामान्य दिनों की तुलना में यात्रियों की

संख्या बढ़ने के कारण रेलवे प्रशासन द्वारा सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। इसी क्रम में यह विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान प्लेटफार्म नंबर छह पर स्थित जनआहार रेस्टारेंट का भी औचक निरीक्षण किया गया। खाद्य विभाग की टीम ने रेस्टारेंट में उपलब्ध खाद्य सामग्री की गुणवत्ता और वहां की व्यवस्थाओं की जांच की। निरीक्षण के दौरान कुछ खाद्य सामग्री निर्धारित गुणवत्ता के अनुरूप नहीं पाई गई। यात्रियों के स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए संबंधित खाद्य सामग्री को नष्ट करवाया गया। जांच के दौरान रेस्टारेंट में अनधिकृत सिलेंडर भी पाया गया। खाद्य विभाग की टीम ने बरामद अनधिकृत सिलेंडर को आगे की वैधानिक कार्रवाई के लिए जीआरपी के सुपुर्द कर दिया। टीम ने रेस्टारेंट संचालक को खाद्य सामग्री की गुणवत्ता बनाए रखने तथा नियमों के अनुरूप ही खाद्य पदार्थों और अन्य सामग्री का उपयोग करने के निर्देश दिए। खाद्य सामग्री में अनियमितता पाए जाने के मामले में रेस्टारेंट संचालक से मौके पर ही स्पॉट फाइन वसूल किया गया। उपलब्ध विवरण के अनुसार यह राशि 45 हजार रुपये बताई गई है। हालांकि कार्रवाई संबंधी विवरण में 4,500 रुपये की राशि का भी उल्लेख है। खाद्य विभाग द्वारा खराब अथवा अनधिकृत खाद्य सामग्री को हटवाने के साथ ही संबंधित संचालक के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की गई। संयुक्त चेकिंग टीम ने स्टेशन के सभी प्लेटफार्मों पर यात्रियों को बेची जा रही खाद्य सामग्री और अन्य सामान की भी जांच की। अवैध वेंडरों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान यह सुनिश्चित किया गया कि रेलवे परिसर में बिना अनुमति के किसी प्रकार की बिक्री न हो। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी। रेलवे स्टेशन पर खान-पान की गुणवत्ता की जांच को भी अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया। त्यौहारी सीजन में बड़ी संख्या में यात्री रेलवे स्टेशन से यात्रा करते हैं और ऐसे में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर विशेष सतर्कता जरूरी है। इसी उद्देश्य से खाद्य विभाग की टीम ने जनआहार रेस्टारेंट का औचक निरीक्षण किया और यात्रियों के स्वास्थ्य के लिए अनुपयुक्त पाई गई सामग्री को मौके पर नष्ट कराया। रेलवे मजिस्ट्रेट वेदप्रकाश सागर के साथ विभिन्न विभागों की संयुक्त टीम की कार्रवाई के दौरान सुरक्षा और वाणिज्यिक नियमों के पालन पर भी विशेष ध्यान दिया गया। जीआरपी और आरपीएफ ने स्टेशन परिसर में सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी की, जबकि वाणिज्य और खाद्य विभाग की टीमों ने अपने-अपने स्तर पर नियमों की जांच की। संयुक्त कार्रवाई के चलते स्टेशन परिसर में अनधिकृत रूप से सामान बेचने वालों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की गई। रेलवे प्रशासन के अनुसार त्यौहारी सीजन में यात्रियों की संख्या बढ़ने के मद्देनजर स्टेशन पर सुरक्षा, स्वच्छता, खान-पान और यात्री सुविधाओं से जुड़े मामलों की निगरानी जारी रखी जाएगी। विशेष मजिस्ट्रेट चेकिंग के माध्यम से अवैध वेंडिंग और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की गई है। अधिकारियों ने यात्रियों से भी अपील की है कि वे अधिकृत स्टॉल और वेंडरों से ही खाद्य सामग्री खरीदें तथा किसी प्रकार की अनियमितता सामने आने पर संबंधित रेलवे अधिकारियों को इसकी जानकारी दें।

किराना दुकान संचालक पर चाकू से हमला करने वाले दो किशोर गिरफ्तार

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। तिलवारा थाना क्षेत्र के शास्त्री नगर में किराना दुकान संचालक पर चाकू से हमला कर पैसे मांगने वाले दो किशोरों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने पकड़े गए किशोरों के कब्जे से घटना में इस्तेमाल किया गया चाकू और पल्सर मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 5 सितंबर की रात न्यू शास्त्री नगर निवासी 45 वर्षीय अनिल निराकुरे अपनी किराना दुकान पर मौजूद थे। रात करीब 12 बजे बड़ापत्थर निवासी 17-17 वर्षीय दो किशोर पल्सर मोटरसाइकिल से दुकान पर पहुंचे और बीड़ी का बंडल मांगा। अनिल ने उन्हें बीड़ी का बंडल दिया और पैसे मांगे। पुलिस के अनुसार बीड़ी के पैसे मांगने पर दोनों किशोर गाली-गलौज करने लगे और शराब पीने तथा मुर्गा खरीदने के लिए एक हजार रुपये मांगने लगे। इसके बाद अनिल दुकान के बाहर आए तो एक किशोर ने चाकू निकालकर उनकी गर्दन पर लगा दिया और रुपये देने के लिए दबाव बनाने लगा। अनिल ने शोर मचाया तो मोहल्ले में रहने वाले वीरेंद्र सिंह और राहुल कटारे मौके पर पहुंचे। दोनों ने हस्तक्षेप कर अनिल को

बचाया और एक किशोर को पकड़ लिया। इसी दौरान दूसरा किशोर जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से भाग गया। चाकू से हमले में अनिल निराकुरे की गर्दन पर चोट आई है। घटना की सूचना मिलने के बाद तिलवारा पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और दोनों किशोरों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने गिरफ्तार किशोरों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त चाकू और पल्सर मोटरसाइकिल बरामद कर ली है। मामले में पुलिस द्वारा आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

मानसून में सुरक्षित रेल संचालन के लिए जबलपुर मंडल ने की व्यापक तैयारियां

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। मानसून के दौरान यात्रियों की सुरक्षित यात्रा और ट्रेनों के निर्बाध एवं सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल द्वारा व्यापक मानसून सुरक्षा तैयारियां की गई हैं। मंडल के सिविल इंजीनियरिंग विभाग ने भारी बारिश, जलभराव, बाढ़, मिट्टी के कटाव और अन्य मौसमी चुनौतियों से निपटने के लिए संवेदनशील रेल परिसंपत्तियों पर विशेष निगरानी और एहतियाती व्यवस्थाएं सुनिश्चित की हैं। वर्तमान मानसून सीजन में महत्वपूर्ण पुलों, कटिंग स्थलों और अन्य संवेदनशील स्थानों पर कुल 109 रेल कर्मचारियों को तैनात किया गया है। ये कर्मचारी निर्धारित पेट्रोलिंग के माध्यम से विशेष रूप से भारी बारिश के दौरान और उसके बाद रेल पटरियों तथा आसपास के क्षेत्रों की लगातार निगरानी कर रहे हैं। मॉनसून पेट्रोलमैन और स्टेशनरी वॉचमैन द्वारा ट्रैक के धंसने, गिट्टी के बहने या खिसकने, जलभराव, तटबंध के कटाव और अन्य संभावित असुरक्षित परिस्थितियों की समय रहते पहचान की जा रही है। पेट्रोलिंग की निगरानी जीपीएस उपकरणों के माध्यम से की जाती है। किसी भी असामान्य स्थिति की सूचना तत्काल संबंधित अधिकारियों और नियंत्रण कार्यालय को दी जाती है, ताकि आवश्यकता पड़ने पर एहतियाती और सुधारात्मक कार्रवाई की जा

सके। आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया के लिए परिचालन, सिग्नल एवं दूरसंचार, विद्युत विभागों तथा सिविल प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित किया गया है। मौसम विभाग, बरगी बांध प्राधिकरण और जिला प्रशासन से भी लगातार संपर्क बनाए रखा जा रहा है। मौसम संबंधी किसी भी चेतावनी को तत्काल संबंधित मैदानी इकाइयों तक पहुंचाकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाती है। मंडल के महत्वपूर्ण पुलों पर जलस्तर निगरानी प्रणाली के माध्यम से जलस्तर की वास्तविक समय में निगरानी की जा रही है। चुनिंदा स्टेशनों पर हवा की गति की निगरानी के लिए एनीमोमीटर लगाए गए हैं। संवेदनशील पुलों, पुलियाओं, तटबंधों और कटिंग स्थलों का संयुक्त निरीक्षण कर आवश्यकता के अनुसार उनका सुदृढ़ीकरण भी किया गया है। बारिश के पानी का निर्बाध प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए साइड ड्रेन, कैच वाटर ड्रेन, जलमार्ग और पुलों के खुले हिस्सों की सफाई तथा गाद निकालने का कार्य किया गया है। इसके साथ ही रणनीतिक स्थानों पर गिट्टी, बड़े पत्थर, रेत की बोरियां, स्लीपर, रेल और आवश्यक औजार जैसी आपातकालीन सामग्री पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रखी गई है। तेज बारिश और तूफान के दौरान इंजीनियरिंग अधिकारियों तथा रखरखाव टीमों द्वारा चौबीसों घंटे निगरानी की जा रही है। जबलपुर मंडल की इन तैयारियों का उद्देश्य मानसून के दौरान संभावित व्यवधानों को न्यूनतम करते हुए रेल परिचालन की विश्वसनीयता बनाए रखना और यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देना है। आधुनिक तकनीक, पर्याप्त मानव संसाधन, सतत निगरानी और विभिन्न विभागों के प्रभावी समन्वय के माध्यम से मंडल द्वारा मानसून के दौरान सुरक्षित, संरक्षित और सुचारू ट्रेन संचालन सुनिश्चित करने के लिए कार्य किया जा रहा है।

जुआ-सट्टे पर पुलिस की सख्ती से शहर में सिमटा कारोबार, ग्रामीण क्षेत्रों में सक्रिय हुए फड़ संचालक

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। पुलिस द्वारा जुआ-सट्टा को लेकर की जा रही सख्ती से भयभीत फड़बाजों ने शहरी क्षेत्र में जुआ का कारोबार करीब-करीब समेट लिया है। जुआरियों और सटोरियों पर लगातार की जा रही कार्रवाई के बाद सतना, नरसिंहपुर, सिवनी, मंडला, कटनी एवं दमोह से आने वाले बड़े जुआरी भी सुरक्षा के मद्देनजर शहर में जुआ खेलने से इनकार कर रहे हैं। बाहरी जुआरियों के नहीं आने से फड़ संचालक एक बार फिर ग्रामीण क्षेत्रों में सक्रिय हो गए हैं। किराये पर फार्म हाउस, खेत और जंगल-पहाड़ी क्षेत्रों में पंडाल लगाकर रोज लाखों रुपये का जुआ खिलाए जाने की चर्चा है। पुलिस से बचने के लिए जुआ संचालक लगातार ठिकाने बदल रहे हैं। जुआ-सट्टा को प्रभावी रूप से रोकने के लिए पुलिस द्वारा किए जा रहे प्रयासों का असर अब शहर में दिखाई देने लगा है। फड़ संचालक पहले की तरह बेखौफ होकर मकान या होटल में जुआ खिलाने से बच रहे हैं। पिछले 2 वर्षों में पुलिस द्वारा की गई लगातार कार्रवाई के बाद पुलिस और अधिक सक्रिय हो गई है। मुखबिरों को भी जुआ-सट्टा खिलाने वालों की सूचना एकत्र करने के काम में लगाया गया है। शहर में जुआ संचालित नहीं होने से बड़े फड़बाजों की साख दांव पर लगी हुई है। जुआ खिलाने वाले शराब माफिया की तरह सिंडीकेट बनाकर काम कर रहे हैं और जुआरी गांव बदल-बदलकर सड़क

से लगे किसी भी गांव में जुआ खिलाते रहते हैं।

बड़ा लेन-देन ऑनलाइन

जुए की लत ने युवाओं को भी बुरी तरह जकड़ रखा है। पुलिस की सख्ती के बाद युवा जुआरी बिना रुपये के कैशलेस तरीके से जुआ खेल रहे हैं। पेटीएम के जरिए बिना किसी भय के कहीं भी इनकी महफिल जम रही है। सारे लेन-देन ऑनलाइन के सहारे हो रहे हैं। यदि रेड में किसी तरह की पर्ची या फिर कैश नहीं मिलता तो पुलिस जुआ संबंधित कार्रवाई करने से बचती है। इसका फायदा उठाकर जुआरी ऑनलाइन माध्यम से बड़े पैमाने पर लेन-देन कर रहे हैं।

पहली पसंद फार्म हाउस

शहर में जुआ खिलाने वाले मझगवां, खितौला, पाटन, कुंडम, बरगी, भेड़ाघाट सहित चरगवां क्षेत्र में फार्म हाउस का जुगाड़ करने में जुटे हुए हैं। फड़ संचालक राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्ग से दूर इंटीरियर गांवों में बने फार्म हाउस को चिन्हित कर रहे हैं। इन स्थानों पर पुलिस की पहुंच अपेक्षाकृत मुश्किल होने के कारण जुआ खिलाने वालों को सुरक्षित ठिकाना मिल जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में सुनसान स्थानों और जंगल-पहाड़ी इलाकों में भी ठिकाने तलाशे जा रहे हैं।

क्राइम ब्रांच ने बढ़ाई सक्रियता

पुलिस सूत्रों के मुताबिक जुआ-सट्टा एवं अवैध मादक पदार्थों की तस्करी को प्रभावी रूप से रोकने के लिए क्राइम ब्रांच की कई टीमें शहर से लेकर देहात तक सक्रिय की गई हैं। जुआ की सटीक सूचना मिलने पर फड़ की घेराबंदी कर क्राइम ब्रांच कभी भी छापामार कार्रवाई कर सकती है। पुलिस की लगातार निगरानी के चलते जुआ संचालकों में भी हड़कंप की स्थिति बनी हुई है। मुखबिर तंत्र को मजबूत कर जुआ-सट्टा संचालित करने वाले लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है।

स्वच्छता नियम तोड़ने पर 2097 यात्रियों पर कार्रवाई

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। स्वच्छ भारत मिशन एवं भारतीय रेल की स्वच्छता संबंधी नीति के अनुरूप पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर मंडल द्वारा रेलवे परिसरों, स्टेशनों और ट्रेनों में स्वच्छता बनाए रखने के लिए निरंतर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों और रेल परिसरों में स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वाले यात्रियों के विरुद्ध सघन जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान रेलवे स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्म, ट्रैक क्षेत्र तथा अन्य सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाते हुए पाए गए 2097 यात्रियों के विरुद्ध रेलवे अधिनियम के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की गई। रेलवे की ओर से स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने के लिए इन स्थानों पर नियमित जांच की जा रही है। जांच अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले यात्रियों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कार्रवाई की गई। रेलवे परिसरों और ट्रेनों में स्वच्छता बनाए रखना अभियान का प्रमुख उद्देश्य है, ताकि यात्रियों को साफ-सुथरा वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। रेलवे के अनुसार स्वच्छता नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे। यात्रियों से भी रेलवे परिसर, प्लेटफॉर्म और ट्रैक क्षेत्र सहित सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी नहीं फैलाने और स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करने की अपेक्षा की गई है। इन कार्रवाईयों से रेलवे को लगभग 4 लाख 20 हजार 200 रुपये से अधिक का रेल राजस्व प्राप्त हुआ। कार्रवाई रेलवे अधिनियम के प्रावधानों के तहत की गई है। जबलपुर मंडल द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान के माध्यम से रेलवे परिसरों में स्वच्छता नियमों के पालन पर निगरानी बढ़ाई जा रही है। रेलवे प्रशासन का उद्देश्य यात्रियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ रेलवे स्टेशनों और अन्य सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ बनाए रखना है।

मोबाइल पर बात करते जा रहे युवक से झपट्टा मारकर फोन छीना

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। अंबेडकर चौक से एसपी कार्यालय की ओर पैदल जा रहे युवक के हाथ से मोटरसाइकिल सवार तीन युवक मोबाइल फोन झपटकर फरार हो गए। घटना के बाद पीड़ित ने सिविल लाइन थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। सिविल लाइन पुलिस के अनुसार छोटी ओमती निवासी 26 वर्षीय रितिक वर्मा ड्राइवरी का काम करते हैं। उन्होंने रिपोर्ट में बताया कि 4 सितंबर की शाम करीब 7.30 बजे वह अंबेडकर चौक से एसपी कार्यालय की ओर पैदल जा रहे थे। इस दौरान वह मोबाइल फोन पर बात कर रहे थे। पुलिस के मुताबिक हाईकोर्ट गेट नंबर 6 और 7 के बीच पीछे से काले रंग की मोटरसाइकिल पर तीन युवक आए। मोटरसाइकिल पर पीछे बैठे युवक, जिसने सफेद कपड़े पहन रखे थे, ने रितिक के हाथ से मोटोरोला कंपनी का मोबाइल फोन झपट लिया। मोबाइल छीनने के बाद तीनों युवक मोटरसाइकिल से तेज गति से फरार हो गए। अचानक हुई घटना के कारण रितिक मोटरसाइकिल का नंबर नहीं देख सके।

जबलपुर सर्किट हाउस का अत्याधुनिक स्वरूप में होगा उन्नयन : लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। जबलपुर सर्किट हाउस का अत्याधुनिक स्वरूप में उन्नयन किया जाएगा। रीडेंसिफिकेशन योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश बिल्डिंग डेवलपमेंट कॉरपोरेशन द्वारा 75 कक्षीय नवीन सर्किट हाउस का निर्माण किया जाएगा। नवीन भवन को 5 स्टार ग्रीन रेटिंग के अनुरूप विकसित किया जाएगा। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने मंत्री निवास पर जबलपुर सर्किट हाउस की कार्ययोजना के संबंध में आयोजित बैठक के बाद यह जानकारी दी। प्रदेश के सभी सर्किट हाउस एवं शासकीय विश्राम गृहों के उन्नयन की योजना तैयार की गई है। लोक निर्माण मंत्री के निर्देश पर तैयार की गई इस योजना के प्रथम चरण में जबलपुर एवं भोपाल के सर्किट हाउस का अत्याधुनिक स्वरूप में उन्नयन किया जाएगा। इसका उद्देश्य पुराने विश्राम गृहों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त कर वर्तमान समय की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित करना है। मंत्री निवास पर आयोजित बैठक में जबलपुर सर्किट हाउस की प्रस्तावित कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में एमपीआरडीसी के एमडी भरत यादव, बीडीसी के एमडी सी.बी. चक्रवर्ती, कलेक्टर जबलपुर राघवेंद्र सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों से भवन निर्माण, सुविधाओं, संचालन और आगामी कार्ययोजना से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी ली गई। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों में शासन द्वारा संचालित अधिकांश विश्राम गृह वर्षों पुराने हैं। बदलते समय और बढ़ती आवश्यकताओं को देखते हुए इनके आधुनिकीकरण की जरूरत है। इसी उद्देश्य से चरणबद्ध तरीके से सर्किट हाउस एवं शासकीय विश्राम गृहों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त किया जाएगा, ताकि यहां ठहरने वाले शासकीय अतिथियों और अन्य लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। नवीन स्वरूप में बनने वाले जबलपुर सर्किट हाउस में कुल 75 कमरे होंगे। इनमें 55 मानक कमरे, 18 वीआईपी कमरे और 2 वीवीआईपी कमरे शामिल होंगे।

घर के बाहर खड़ा ई-रिक्शा ले गए चोर

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। बेलबाग थाना क्षेत्र के टोरिया में मकान के सामने खड़ा ई-रिक्शा अज्ञात चोर चोरी कर ले गया। पीड़ित ने घटना की रिपोर्ट बेलबाग थाने में दर्ज कराई है। पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार बेलबाग टोरिया निवासी 31 वर्षीय अंकित सोंधिया डेकोरेशन का काम करते हैं। उन्होंने रिपोर्ट में बताया कि 2 सितंबर की सुबह करीब 8 बजे अपना ई-रिक्शा क्रमांक एमपी 20 जे क्यू 1294 धर्मेंद्र बेन के घर के सामने बेलबाग में खड़ा कर घर चले गए थे। दोपहर करीब 12 बजे जब अंकित वापस पहुंचे तो मौके पर ई-रिक्शा नहीं था। उन्होंने आसपास के क्षेत्र में काफी तलाश की, लेकिन ई-रिक्शा का कोई पता नहीं चला। इसके बाद उन्हें आशंका हुई कि कोई अज्ञात व्यक्ति ई-रिक्शा चोरी कर ले गया है। पीड़ित ने घटना की जानकारी बेलबाग पुलिस को दी और चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने आसपास के क्षेत्र में ई-रिक्शा की तलाश के साथ मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है। पुलिस द्वारा घटनास्थल और आसपास के क्षेत्र से संबंधित जानकारी जुटाई जा रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मुकेश कुमार श्रीवास द्वारा माँ रेवा पब्लिकेशन एन्ड प्रिंटर्स लक्ष्मीपुर मुस्कान प्लाजा के पीछे विवेकानंद वार्ड एम आर 4 रोड़ जबलपुर म.प्र. 482001 से मुद्रित तथा लक्ष्मीपुर मुस्कान प्लाजा के पीछे एम आर 4 रोड 21 स्वामी विवेकानंद वार्ड जबलपुर म.प्र. 482001 से प्रकाशित । संपादकः अतुल कुमार बंदेवार RNI. Reg. No MPHIN/2023/90965 (समस्त विवादों का न्यायालयीन क्षेत्र जबलपुर) Email:- revanchaljabalpur@gmail.com मोब. 7509202320, 9406771592